RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 207

भिलाई, रविवार 15 मई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

असम में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात, जनजीवन बुरी तरह प्रभावित; रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी सेना

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में लगातार बारिश के बाद दीमा हसाओ के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। इसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सेना के जवानों ने कल रात कछार जिले के बालिचरा और बरखोला के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान चलाया। इस दौरान बाढ़ के पानी में फंसे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

असानी चक्रवात आने के बाद से असम लगातार बारिश का सामना कर रहा है। यहां कई इलाकों में जलभराव हो गया है। बारिश और जलभराव से हजारों लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई इमारतों को नुकसान भी पहुंचा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इसे लेकर रिपोर्ट जारी किया है। इसके अनुसार दीमा हसाओ में पिछले कुछ दिनों से बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कई ट्रेनों को करना पड़ा रद्द

बारिश और भूस्खलन के कारण पूर्वोत्तर फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के लुमडिंग-बदरपुर खंड में कई ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के चलते लुमडिंग मंडल के लुमडिंग-बदरपुर पर्वतीय खंड के अनेक हिस्सों में जलभराव हो गया। इसे को देखते हुए कई ट्रेन रद्द या फिर आंशिक तौर पर रद्द कर दी गई हैं।

रिहायशी इमारतों को पहुंचा नुकसान

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार दीमा हसाओ में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण जिले में जनजीवन प्रभावित हुआ है और कई रिहायशी व वाणिज्यिक इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

ज्ञानवापी मामला: 1992 के पहले नहीं था मंदिर-मस्जिद का कोई विवाद

बेसमेंट में थीं चूड़ी और कोयले की दुकानें

वाराणसी (एजेंसी)। काशी करवत मंदिर के महंत पं. गणेश शंकर उपाध्याय बीते दिनों को याद करते हुए कहते हैं कि 1992 के पहले तो कोई मंदिर-मस्जिद का विवाद नहीं था। मुझे आज भी याद है कि हम लोग बड़े आराम से ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में खेलने कूदने के लिए जाया करते थे। किसी तरह की रोकटोक नहीं थी। सीढ़ियों से उतरकर ग्राउंड फ्लोर में एक बड़ा हॉल था और उसमें कई खंभे थे।

महंत ने बताया कि सीढ़ी के बगल वाले कमरे में भोला यादव की कोयले की दुकान थी और उसके बगल में चूड़ीवाले की दुकान थी। वह पूरे मोहल्ले को हर तीज-त्योहार पर घर-घर चूड़ी पहनाने जाया करती थी। इसके बाद नंदी के मुंह के ठीक सामने व्यास जी का कमरा था जहां वह अपना व्यासपीठ का सामान रखा करते थे।

मस्जिद के हर हिस्से में जाते थे हिंदू

केदारनाथ व्यास के छोटे भाई चंदर व्यास चबूतरे के ऊपर चढ़कर जाते थे। पीछे जो दरवाजा है वह ऊपर जाता है और वह खुलता भी था, मस्जिद के हर हिस्से में हिंदू जाते थे किसी तरह का कोई प्रतिबंध नहीं था। अक्सर हम लोगों की पतंग कटकर जाती थी तो हम लोग उसे लेने जाते थे। ज्ञानवापी परिसर की पौराणिकता की बात हो रही है तो बता दें कि वहां पर ज्ञानोदक तीर्थ था। इसको फिर से ज्ञानोदक तीर्थ बनाया जाए। जो भी लोग काशी का वर्णन गलत तरीके से कर रहे हैं उनको भैरव-भैरवी की यातना झेलनी पड़ेगी, इसलिए पहले काशी को जानें फिर उसके बारे में वर्णन करें।

ज्ञानवापी में पहुंच गए थे ज्ञानी जैल सिंह

महंत परिवार के महेश उपाध्याय ने बताया कि उनको वह वाकया आज भी याद है जब ज्ञानी जैल सिंह बतौर गृहमंत्री बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने आए थे। जब उन्होंने छत्ताद्वार से प्रवेश किया तो वह मस्जिद को ही मंदिर समझकर अंदर आ गए थे। उनके साथ एसएचओ चौक भी थे लेकिन वह पीछे-पीछे थे। मैंने उनको पहचान लिया था और लोगों को बताया। इसी दौरान मस्जिद के मौलवी ने उनको बताया कि यह मस्जिद है और मंदिर अभी आगे है। इसके बाद वह मस्जिद से निकलकर मंदिर में गए।

राम मंदिर निर्माण कार्य

आकार लेने लगेगा गर्भगृह, अगस्त तक तैयार हो जाएगा राम चबूतरा

अयोध्या (एजेंसी)। राममंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक शनिवार से शुरू हुई। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण के कार्यों की समीक्षा की। ट्रस्ट व कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों ने प्रजेंटेशन के माध्यम से अब तक हुए काम का ब्योरा प्रस्तुत किया। बैठक में तय हुआ है कि जून से राममंदिर के गर्भगृह को आकार देने का काम प्रारंभ हो जाएगा। हालांकि राममंदिर के चबूतरे (प्लिंथ) का काम अभी चलता रहेगा जो अगस्त तक पूरा हो सकेगा। इस बीच गर्भगृह व प्लिंथ का काम एक साथ संचालित करने की योजना बनी है। राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बैठक के पहले दिन सुबह नौ बजे रामजन्मभूमि परिसर पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थलीय निरीक्षण के बाद रामजन्मभूमि परिसर स्थित विश्वामित्र आश्रम में एलएंडटी के कार्यालय में बैठक की। इसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों सहित कार्यदायी संस्था के इंजीनियर शामिल हुए। बैठक में इंजीनियरों ने अब तक हुए कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि पहले दिन केवल कार्यों की समीक्षा की गई। अब तक कितना काम हुआ है, डेडलाइन तक काम पूरा हो पाएगा या नहीं, पत्थरों की आपूर्ति की क्या स्थिति है, रिटेनिंग वॉल के निर्माण की क्या प्रगति है, इन सबकी प्रगति रिपोर्ट नृपेंद्र मिश्र के समक्ष प्रस्तुत की गई। बताया कि अभी राममंदिर के चबूतरे (प्लिंथ) का निर्माण कार्य चल रहा है। राममंदिर की प्लिंथ सात लेयर में बननी है, अब तक पांच लेयर तैयार हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि प्लिंथ का काम अगस्त तक पूरा हो पाएगा। प्लिंथ के काम में अब तेजी लाई गई है, प्रतिदिन ग्रेनाइट के करीब 80 पत्थर चबूतरे में लगाए जा रहे हैं। वहीं पत्थरों की आपूर्ति की समीक्षा भी की गई जो संतोषजनक है। बताया कि गर्भगृह का काम भी शीघ्र शुरू हो जाएगा। गर्भगृह के चबूतरे का काम जिस दिशा में पूरा होता जाएगा, उस दिशा से गर्भगृह का निर्माण भी शुरू कर देंगें। दोनों काम समानांतर चलेंगे।

ट्रस्ट के सूत्रों ने बताया कि जून से गर्भगृह को आकार देने का काम प्रारंभ हो जाएगा। इसके लिए पहली जून की तिथि नियत की गई है। इस दिन ज्येष्ठ की अमावस्या की शुभ तिथि है। इस दिन से पूजन के साथ ही गर्भगृह को आकार देने का काम शुरू कर दिया जाएगा। बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी बिमलेंद्र मोहन मिश्र, मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपालजी सहित कार्यदायी संस्था के इंजीनियर मौजूद रहे।

ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि मंदिर को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए तीन दिशा में 12 मीटर गहरी रिटेनिंग वॉल बनाई जा रही है। पश्चिम दिशा में सरयू की धारा प्रवाहमान है, ऐसे में सरयू की बाढ़ के आक्रमण से मंदिर को बचाने के लिए 12 मीटर गहरी दीवार बनाई जा रही है।

उन्होंने बताया कि अब तक उत्तर व दक्षिण दिशा में रिटेनिंग वॉल के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। करीब छह मीटर गहराई तक चट्टान बिछाई जा चुकी है। बरसात से पहले यह काम पूरा करने का लक्ष्य है।

तपती गर्मी से मिलेगी राहत, होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार को केरल और लक्षद्वीप के अधिकारियों को चेतावनी जारी की है कि अगले पांच दिनों में दोनों क्षेत्रों में भारी बारिश होगी। एजेंसी ने कहा कि वर्षा की गतिविधि में वृद्धि अरब सागर से दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में निचले क्षोभमंडल स्तरों पर बहने वाली तेज हवाओं के कारण हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, केरल और लक्षद्वीप के अलग-अलग इलाकों में गरज के साथ गरज के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। एजेंसी द्वारा मछुआरों को समुद्री क्षेत्रों में न जाने की चेतावनी दी गई है। एजेंसी ने अपेक्षित प्रभाव की एक सूची बनाई और मौसम का सामना करने के लिए सुझाए गए कार्यों की एक सूची बनाई। इसने लोगों को संवेदनशील संरचनाओं में रहने और जलजमाव की समस्या वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की चेतावनी दी।

मेनका गांधी को समन: भारतीय पशु चिकित्सा संघ ने दायर किया है मानहानि का केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्च न्यायालय ने भारतीय पशु चिकित्सा संघ की ओर दायर मानहानि के मुकदमे पर भाजपा सांसद मेनका गांधी को समन जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में मेनका गांधी से बिना शर्त माफी मांगने व दो करोड़ रुपये की भरपाई की मांग की गई है। न्यायमूर्ति अमित बंसल ने मेनका गांधी को याचिका पर अपना लिखित बयान 30 दिन में दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त तय की है।

याचिका में कहा गया है कि वह देश में पशु चिकित्सकों का शीर्ष संगठन है। याची ने मेनका गांधी पर उत्पीड़न, चोट, पैसे की अवैध मांग करने और घोर मानहानि करने के लिए मुकदमा दायर किया। याचिका में संघ के सदस्यों के खिलाफ टिप्पणियां और गलत बयान देने का भी आरोप लगाया गया है।

याचिका में वकील नमिता रॉय के माध्यम से दायर याचिका में आरोप लगाया है कि भारत में पशु चिकित्सा में आवश्यक सुधारों पर टिप्पणी करने की आड़ में प्रतिवादी ने एक प्रकाशन में और जानबूझकर पशु चिकित्सकों के खिलाफ अपमानजनक, बदनाम और अत्यधिक अपमानजनक बयान देकर बदनाम किया है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि कई फोन कॉल कर प्रतिवादी ने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि मेनका गांधी जानबूझकर पूर्व केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर रही है और उसने दुर्व्यवहार किया है, गंदी भाषा का इस्तेमाल किया है।

नेता प्रतिपक्ष का सीएम बघेल पर हमला कहा- श्रीलंका की राह पर है राज्य सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने बघेल सरकार पर बड़ा हमला बोला है। कौशिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी श्रीलंका की राह पर है। 2021 में श्रीलंका पर विदेशी कर्ज 3500 करोड़ डॉलर था। 2022 में वह बढ़कर 5100 करोड़ डॉलर हो गया है। वह किश्तें तक चुकाने में नाकाम है। छत्तीसगढ़ की सरकार भी इतने ही दिनों में 5100 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है।

कौशिक ने सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि प्रदेश की आय बढ़ाने को लेकर कोई काम नहीं किए जा रहे। जमीन पर विकास के काम ठप्प पड़े हैं। लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। सरकार लगातार कर्ज ले रही है। कौशिक का कहना था कि कांग्रेस सरकार आज जो कर्ज ले रही है उससे प्रदेश का कोई उत्पादन नहीं बढ़ेगा। यह सरकार जारी रही तो छत्तीसगढ़ को कर्ज में डूबने से कोई नहीं बचा पाएगा।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार हर जगह छत्तीसगढ़ मॉडल की बात कर रही है। असम में इस मॉडल की बात हुई लेकिन चुनाव हार गए। उत्तर प्रदेश में इस मॉडल का लागू करने का वादा किया, जनता ने सात से दो सीटों पर समेट दिया। यह मॉडल फेल हो चुका है। लोगों को भी अब इसकी हकीकत समझ में आने लगी है।

हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा हुए आईपीएस जीपी सिंह, पत्नी ने किया रिसीव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आय से अधिक संपत्ति व राजद्रोह के मामले में 4 माह से जेल में बंद आईपीएस जीपी सिंह आखिरकार जेल से बाहर आ गए। हाईकोर्ट से शनिवार शाम रायपुर न्यायालय आदेश पहुंचा। देर शाम सेंट्रल जेल आर्डर पहुंचने के बाद उन्हें रिहा किया गया। जेल से बाहर निकलते ही उन्होंने अपनी पत्नी को गले लगाया और तुरंत जेल परिसर से निकल गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट में जीपी सिंह के जमानत पर सुनवाई हुई थी।

बता दें आय से अधिक संपत्ति व राजद्रोह के केस में गिरफ्तार निलंबित आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट ने दो दिन पहले ही जमानत दी थी। हाईकोर्ट ने जीपी सिंह को कई शर्तों के साथ जमानत दी है। शनिवार दोपहर रायपुर में न्यायाधीश लीना अग्रवाल की अदालत में जमानती दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद रायपुर जेल से रिहाई का आदेश जारी कर दिया था।

रायपुर में रहने की अनुमति नहीं: कोर्ट

कोर्ट की शर्तों के अनुसार रिहाई के बाद जीपी सिंह को रायपुर में रहने की अनुमति नहीं होगी। वे कहीं भी यात्रा करेंगे तो निचली अदालत को सूचित करेंगे। वे जहां भी रहेंगे उसकी जानकारी बंद लिफाफे में ट्रायल कोर्ट को देंगे। जीपी सिंह मीडिया से किसी भी रूप से बातचीत नहीं करेंगे। कोर्ट ने यह भी शर्त रखी है कि वे किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेंगे। वहीं लोवर कोर्ट की अनुमति के बिना प्रापर्टी गिरवी नहीं रख सकेंगे।

हरियाणा के गुरुग्राम से हुए थे गिरफ्तार

बता दें जीपी सिंह के ठिकानों पर 1 जुलाई 2021 की सुबह 6 बजे एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध अनवेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) की टीमों ने रायपुर, राजनांदगांव और ओडिशा में एक साथ छापा मारा था। छापे में इनके पास बेहिसाब संपत्ति का पता चला था। पूर्व एसीबी चीफ रह चुके जीपी सिंह पर लोगों को धमकाने व वसूली का आरोप है। जीपी सिंह को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था, तब से वे जेल में बंद थे।

नक्सलगढ़ के युवाओं में बस्तर फाइटर्स बनने उत्साह

एंटी नक्सल ऑपरेशन में युवा करेंगे माओवादियों से मुकाबला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। बस्तर संभाग के सभी जिले में बस्तर फाइटर्स का विशेष दस्ते की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। नक्सल मोर्चे पर नक्सलियों से लोहा लेने व फोर्स को मजबूत करने भूपेश सरकार ने बस्तर के युवाओं को फोर्स में भर्ती होने का अवसर दिया है। बस्तर फाइटर्स की भर्ती शुक्रवार से सभी जिलों में शुरू हो गई है। बस्तर संभाग में बस्तर फाइटर्स के लिये 2100 पदों पर भर्ती की जानी है। इसके लिए 53 हजार से अधिक आवेदन आए हैं।

भर्ती प्रक्रिया के पहले दिन युवतियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। पहले दिन 25 हजार उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया था। 5वीं वाहनी सशस्त्र बल कंगोली पहुंचीं युवतियां भर्ती को लेकर काफी उत्साहित दिखीं। बस्तर के युवाओं को नक्सल मोर्चे पर तैनात किए जाने से माओवाद पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों की भर्ती से अंदरूनी इलाकों में पुलिस को मजबूती मिलेगी।

अंदरूनी इलाकों के युवाओं में खासा उत्साह

बस्तर एसपी जितेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि बस्तर फाइटर्स की भर्ती में अंदरूनी इलाकों के युवाओं में खासा उत्साह देखने है। यह पहली दफा है कि ऐसे इलाके से भी युवा फोर्स में भर्ती होने सामने आ रहे हैं, जिसे नक्सलियों का गढ़ माना जाता है। नक्सलियों की ओर से हाल ही में कई जगहों पर बैनर पोस्टर लगाकर बस्तर फाइटर्स की भर्ती का विरोध किया था और ग्रामीण युवाओं को बस्तर फाइटर्स में भर्ती न होने की चेतावनी दी थी। इसके बाद भी युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस भर्ती से एंटी नक्सल अभियान में भी पुलिस को बड़ी मदद मिलेगी।

फोर्स में भर्ती होकर करना चाहते हैं देश सेवा

बस्तर फाइटर्स के लिए थर्ड जेंडर के अभ्यर्थी भी भर्ती प्रकिया में शामिल हो रहे हैं। बस्तर संभाग के लिए यह एक अच्छा अवसर है, जहां एक साथ हजारों युवक-युवतियों को रोजगार का अवसर मिल रहा है। भर्ती में पहुंचे अभ्यर्थियों का कहना था कि वे पुलिस फोर्स में भर्ती होकर देश की सेवा करना चाहते है। 5वीं वाहनी सशस्त्र बल कंगोली में 9 से 11 मई तक महिलाओं का पंजीयन तथा 11 से 14 मई तक पुरूषों के पंजीयन की तिथि तय की गई है। इसके बाद शारीरिक दक्षता व लिखित परीक्षा होगी। स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने भूपेश सरकार ने यह योजना शुरू की है।

संपादकीय

सर्वे के निहितार्थ

ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे पर तत्काल रोक लगाने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने यदि खारिज किया है, तो उसकी सीमाओं को समझा जा सकता है। ऐसा लगता है कि इस सर्वे को रोकने के लिए ठोस आधार चाहिए और ठोस आधार को परखने के लिए समय। यह ऐसा संवेदनशील विषय है, जिस पर बहुत संभलकर चलना होगा। ज्यादा जल्दबाजी करना प्रशंसनीय नहीं होगा और इससे विवाद उलझता चला जाएगा। यह अच्छी बात है कि शीर्ष अदालत ने भले ही सर्वे पर तत्काल रोक न लगाई हो, लेकिन याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सहमति जता दी है। आने वाले दिनों में सर्वे के औचित्य और वैधानिकता को भी सुप्रीम कोर्ट में परखा जाएगा। अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की ओर से दायर याचिका को लेकर प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा कि इस मामले में हमें कोई जानकारी नहीं है। ऐसे में, हम तत्काल कोई आदेश कैसे जारी कर सकते हैं? इसका मतलब है कि सर्वे भले हो जाए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट उसकी वैधता या जरूरत पर बाद में भी फैसला सुना सकता है। ध्यान रहे, पांच महिलाओं की ओर से वाराणसी की एक अदालत में अर्जी दाखिल की गई है, जिस पर सुनवाई करते हुए उस अदालत ने सर्वे करने का आदेश दिया था। इतना ही नहीं, अदालत ने एडवोकेट कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा को सर्वे के लिए नियुक्त कर रखा है। इस नियुक्ति को भी चुनौती दी गई थी, लेकिन अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत का निर्देश है कि 17 मई तक ज्ञानवापी का सर्वे पूरा कर रिपोर्ट दी जाए। मुमकिन है, अब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले ही सर्वे का काम पूरा हो जाए। दरअसल, काशी विश्वनाथ मंदिर से लगभग सटी हुई ज्ञानवापी मस्जिद है, जिसके बारे में दावा है कि वहां देवी-देवताओं की मूर्तियां विराजमान हैं। इतना ही नहीं, महिलाओं की ओर से दायर याचिका में ज्ञानवापी के अंदर एक देवी की नियमित पूजा-अर्चना की इजाजत मांगी गई है। यह एक विलक्षण मामला है। सर्वे की वीडियोग्राफी भी होनी है, मतलब, साक्ष्यों के आधार पर ही फैसला आना है। अगर ज्ञानवापी में मूर्तियां पाई गईं, तो क्या होगा? सवाल उठेगा कि वहां मूर्तियां पहले से थीं, तो पहले ही न्याय की कोशिश क्यों नहीं हुई? यह भी सवाल उठेगा कि यह मामला अभी ही क्यों उठाया जा रहा है? क्या मकसद सिर्फ सियासी है और ऐसी सियासत का दोनों तरफ क्या असर होगा? यदि सर्वे गलत हो रहा है, तो ज्ञानवापी के पक्ष में दलीलों को पुख्ता करना अब बहुत जरूरी हो गया है। अदालत में शायद केवल यह कह देने से काम नहीं चलेगा कि ज्ञानवापी लंबे समय से मस्जिद है। वैसे भी, मस्जिद के अंदर किसी प्रतिमा का कोई विधान नहीं है। इस बात से भला कौन इनकार करेगा कि देश-समाज का मिजाज और वक्त बदल गया है, तभी ऐसे मामले अदालत पहुंचने लगे हैं। अयोध्या मामले में फैसले के बाद से ही ऐसी याचिकाओं की आशंका जताई जा रही थी। अयोध्या, काशी, मथुरा का मामला कदापि नया नहीं है। पक्ष कोई भी हो, तथ्य और तर्क के साथ ही अपनी बात कहने या रखने का हक है। पूरी उदारता, प्रामाणिकता, सद्भावना के साथ इस मामले पर गौर करना होगा। ऐसे मामलों को अगर अदालतें सुनने लगी हैं, तो देश में अमन-चैन केप्रति भी उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है। भरोसा कायम रहना चाहिए और अदालतों को सिर्फ कानून ही नहीं, संवेदना की दृष्टि से भी लोगों की मांगों और दलीलों को सुनना-समझना चाहिए।

> “ पूरी उदारता, प्रामाणिकता, सद्भावना के साथ इस मामले पर गौर करना होगा। ऐसे मामलों को अगर अदालतें सुनने लगी हैं, तो देश में अमन-चैन केप्रति भी उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है। भरोसा कायम रहना चाहिए और अदालतों को सिर्फ कानून ही नहीं, संवेदना की दृष्टि से भी लोगों की मांगों और दलीलों को सुनना-समझना चाहिए।

चीन को बदलना होगा

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कथित अमेरिकी गतिविधियों के खिलाफ चीन ने जो चेतावनी दी है, उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। चीन ने कहा है कि अगर अमेरिकी गतिविधियों पर अंकुश नहीं लगा तो उसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे और पूरा हिंद-प्रशांत क्षेत्र नर्क के कगार पर आ जाएगा। यह चेतावनी चीन के उप-विदेश मंत्री ले युचेंग ने दी है। वही यूचेंग, जिन्हें विदेश मंत्री वांग यी का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है। दूसरे, उनका यह बयान 20 देशों के थिंक टैंक्स के साथ ऑनलाइन डायलॉग के दौरान सामने आया। यानी इस बयान के जरिये चीन ने पूरी दुनिया को संदेश देने की कोशिश की है। तीसरे, उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी चिन फिंग की 'ग्लोबल सिक्योरिटी इनीशिएटिव' की अवधारणा का संदर्भ लेते हुए अपनी बात रखी। इसलिए इसे चिन फिंग सरकार का रुख माना जाना चाहिए। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर अमेरिका के नेतृत्व में अंकुश लगाने की इधर कोशिशें तेज हुई हैं। चीन इन कोशिशों के विरुद्ध आवाज उठाता रहा है। खासकर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत के क्वाड के रूप में एक साथ आने पर वह यह कहते हुए आपत्ति करता रहा है कि इस तरह से किसी एक देश के खिलाफ गुट बनाना शीतयुद्ध वाली मानसिकता है।

> “ साल के अंत में गुजरात और हिमाचल में चुनाव भी होने हैं। जाहिर है, हर बार की तरह हर निगाह उनकी तरफ है। यकीनन, प्रधान सेवक इन चुनौतियों को जानते हैं। यही वजह है कि उन्होंने अपने लक्ष्यों में सबका साथ, सबका विकास के साथ 'सबका विश्वास' जोड़ा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अपने इस लक्ष्य को कैसे हासिल करते हैं?

मोदी की अजेयता का रहस्य

शशि शेखर

मैंने उन्हें पहली बार नजदीक से 24 जनवरी, 1992 को देखा था। वह जम्मू में पत्रकारों से अनौपचारिक बात कर रहे थे। मुझे उनकी दृढ़ता, साफगोई और सटीक शब्दों के चयन ने प्रभावित किया था। उन दिनों वह 'महज' गुजरात, यानी एक प्रादेशिक इकाई के महासचिव थे, पर उनकी उपस्थिति सबसे बड़े नेताओं के बीच दर्ज थी।

वह नरेंद्र मोदी थे, मौजूदा प्रधानमंत्री।

इससे पहले नरेंद्र मोदी का नाम लालकृष्ण आडवाणी की 'राम-रथयात्रा' के दौरान चर्चा में आया था। इस बार वह पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष प्रोफेसर मुरली मनोहर जोशी की कन्याकुमारी से कश्मीर के श्रीनगर स्थित लाल चौक तक की 'एकता यात्रा' के संयोजक थे। बताने की जरूरत नहीं, ये दोनों यात्राएं आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के लिए सत्तादायी जड़ी-बूटी साबित हुईं।

जम्मू से लौटने के बाद भी मन के एक कोने में उनकी छाप बनी रही। करीब 10 साल बाद उनका नाम अचानक फिर सुर्खियों में आया। इस बार भाजपा आलाकमान ने उन्हें केशुभाई पटेल की जगह गुजरात का मुख्यमंत्री चुना था। 26 जनवरी, 2001 को आया जलजला केशुभाई के शासन की कलई खोल गया था। जिस दिन यह खबर आई, मेरे चैनल के सहयोगियों में चर्चा महज यह थी कि मोदी अभी तक किसी सरकारी पद पर नहीं रहे हैं। इस विकट वक्त में उन्हें मुख्यमंत्री का दायित्व देकर उनका भला किया गया है या बुरा? उन दिनों केशुभाई का कद बहुत बड़ा था। अंग्रेजी की कहावत का सहारा लें, तो नरेंद्र मोदी को उनके पांवों से बड़े जूते थमा दिए गए थे। आकलनकर्ता आशंकाएं व्यक्त कर रहे थे, पर मोदी चुपचाप काम में जुटे थे।

इतिहास बनाने वाली सफलताओं की शुरुआत ऐसे ही छोटे, पर सधे और सुविचारित कदमों से होती है।

अगले साल मुख्यमंत्री मोदी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे तबाह हो चुके भुज और उसके आसपास के इलाके को पुन: मुख्यधारा में दौड़ने लायक बना दिया गया है। अगर आप आज कच्छ के रण से गुजरें, तो आपको नमक से सफेद हुई भुरभुरी बालू के बीच से गुजरती शानदार सड़कें, गांवों में बिजली के खंभे, पानी की टंकियां और अस्पताल दिखाई पड़ेंगे। यह आसान काम नहीं था, पर यदि मोदी आसान कामों में ही उलझे रहते, तो आज देश के प्रधानमंत्री नहीं होते।

उसी साल गुजरात में दंगे हो गए।

आपको याद होगा कि प्रधानमंत्री वाजपेयी ने अहमदाबाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब 'राजधर्म' का पालन करने की नसीहत दी, तब बिना एक भी क्षण गंवाए मुख्यमंत्री मोदी अपना मुंह माइक्रोफोन के पास लाए और दृढ़ता से जवाब दिया- 'वही तो कर रहा हूं साहब'। उनके आलोचकों ने इसे 'दुस्साहस' साबित किया, पर मोदी जानते थे कि दोबारा ऐसा न हो, इसका इंतजाम उन्हीं को करना है। वह इसी मुहिम में बिना किसी शोर-शराबे के जुटे थे। यह ऐतिहासिक तथ्य

है, इसके बाद नरेंद्र मोदी 12 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और इस दौरान एक भी दंगा नहीं हुआ। इस ऐतिहासिक तथ्य से कौन मुंह चुरा सकता है?

यह तभी हो सकता था, जब कानून-व्यवस्था के अनुपालनकर्ता किसी एक वर्ग के मोह में अंधे न हों। इसके साथ ही नरेंद्र मोदी ने कल्याणकारी राज्य की स्थापना की हरचंद कोशिश की। सरकारी सुविधा और सहायता बिना किसी भेदभाव हर वर्ग तक समान भाव से पहुंची। इससे सभी तबकों में भरोसा कायम हुआ।

यह काम सरल नहीं था। इसकी शुरुआत सबसे दूर और सबसे निचली सीढ़ी पर बैठे व्यक्ति से की जानी थी। इसके लिए एक दिन उन्होंने गुजरात के मुख्य सचिव से पूछा कि आपने किस ताल्लुका से अपने करियर की शुरुआत की थी? मुख्य सचिव का जवाब मिलते ही उन्होंने तपाक से पूछा, क्या आपको मालूम है कि उस ताल्लुका की हालत कैसी है? आप तो मुख्य सचिव हो गए, पर वह ताल्लुका वहीं का वहीं पड़ा हुआ है। क्यों न आप उस तहसील को गोद लेकर उसका कायाकल्प करने की कोशिश करें? मुख्य सचिव द्वारा सहमति जताते ही उन्होंने सभी सचिवों को बुलाकर इस निर्देश को दोहराया। हर सचिव के हिस्से उसका पहला ताल्लुका आया। आज गुजरात में 33 जिले हैं। हो सकता है, उस वक्त कुछ कम रहे हों, पर अंकगणित का सहारा लें, तो मुख्य सचिव सहित 40 से अधिक सचिवों ने इस तरह हर जनपद की बेहतरी में सीधा योगदान किया।

मोदी आज प्रधानमंत्री हैं और इस नाते उनके प्रयोग की जमीन अब पूरा देश है। उन्होंने 112 जिलों में युवा कलक्टरों की तैनाती करवाकर उन्हें यह नेक काम सौंपा है। इन जिलों का चयन करने के लिए दो दर्जन से अधिक बिंदु बनाए गए, ताकि सर्वाधिक पिछड़े स्थानों पर विकास की किरणें सबसे पहले पहुंच सकें। यह 'अंत्योदय' नहीं, तो और क्या है?

इस विवरण से आप समझ गए होंगे कि नरेंद्र मोदी की अजेयता का रहस्य क्या है? बतौर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री वह पिछले 21 वर्षों से सत्ता-सदन में हैं। अपने आप में यह अनोखा कीर्तिमान है।

अपने लंबे करियर में मुझे इंदिरा गांधी से लेकर नरेंद्र मोदी तक सभी प्रधानमंत्रियों को देखने, सुनने और समझने का मौका मिला है। सभी ने मुल्क की तरक्की में अपने-अपने हिसाब से योगदान किया, पर मुझे कहने में संकोच नहीं कि दृढ़ता और लक्ष्य के प्रति स्पष्टता का ऐसा मेल पहले मैंने कभी नहीं देखा। वह खुद गरीब परिवार में जन्मे, इसलिए गरीबी का दंश जानते हैं। संघ का कार्यकर्ता रहते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में काम करने के दौरान उन्हें समझने का मौका मिला कि सरकारी योजनाएं समूची नेकनीयती के बाद असफल क्यों हो जाती हैं? यही वजह है कि उनके फैसले संपूर्ण क्रियान्वयन के लिए होते हैं। समाज, सत्ता और व्यवस्था की गहरी समझ के कारण ही वे अब तक वर्जित रहे विषयों पर फैसले ले सके। सर्जिकल स्ट्राइक, अनुच्छेद-370, तीन तलाक, सीएए आदि इसके प्रमाण हैं।

इसी महीने वह अपने कार्यकाल का आठवां साल पूरा करने जा रहे हैं। हाल में हुए पांच राज्यों के चुनावी परिणाम साबित कर चुके हैं कि सियासी तौर पर वह चुनौती विहीन हैं। अगर सामाजिक और आर्थिक मामलों की बात करें, तो प्रधानमंत्री को यकीनन कुछ मोर्चों पर जूझना होगा। पिछले कुछ महीनों से देश में कभी भाषा, तो कभी मजहब के नाम पर अजनबी और आहत कर देने वाले स्वर उभरे हैं। इसी तरह कोरोना के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध ने आर्थिक क्षेत्र में तमाम मुसीबतें खड़ी की हैं। साल के अंत में गुजरात और हिमाचल में चुनाव भी होने हैं। जाहिर है, हर बार की तरह हर निगाह उनकी तरफ है।

यकीनन, प्रधान सेवक इन चुनौतियों को जानते हैं। यही वजह है कि उन्होंने अपने लक्ष्यों में सबका साथ, सबका विकास के साथ 'सबका विश्वास' जोड़ा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अपने इस लक्ष्य को कैसे हासिल करते हैं?

जिस शहर ने जिंदा रखा उसका कर्ज चुका रहा हूं

शिवम सोनी, युवा कारोबारी

उनकी आयु महज 26 साल है, मगर तजुर्बा शायद उम्र के आखिरी पड़ाव पर खड़े किसी बुजुर्ग से कम नहीं। सागर (मध्य प्रदेश) के इस नौजवान ने माता-पिता की इच्छा और एक चमकदार करियर के आकर्षण में इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला तो ले लिया था, पर कुछ ही दिनों के भीतर उसे यह पता चल गया कि वह तो इसके लिए बना ही नहीं है। लिहाजा शिवम सोनी ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। उनका मनपसंद क्षेत्र तो होटल मैनेजमेंट था। उनका निम्न मध्यवर्गीय परिवार रेस्तरां, टिफिन सर्विस से जुड़ा हुआ था।

वह साल 2016 था। 20 साल के शिवम के इस फैसले से घरवाले कुछ निराश तो हुए थे, मगर बेटे की इच्छा का मां-बाप ने सम्मान किया। अपने दोस्तों से करीब 20 हजार रुपये कर्ज लेकर शिवम ने 'स्वीट-16' नाम से अपना रेस्तरां शुरू किया। रुचि का क्षेत्र था, परिजन साथ खड़े थे, काम चल निकला। अच्छा मुनाफा होने लगा था। मगर हर इंसान की तरह जिंदगी शिवम को भला निरापद कहां छोड़ने वाली थी? उसने उनका भी इम्तिहान लेना शुरू किया। पिता की मौत के सदमे से वह उबर पाते कि सोरायसिस ने उन्हें बुरी तरह अपनी चपेट में ले लिया।

खाने-पीने का कारोबार और चर्मरोग! छौंक और धुएं से त्वचा में तेज जलन होने लगती। शिवम ने कुछ ग्राहकों को बिदकते हुए भी देख लिया था। उन्हें एहसास हो गया कि ऐसी स्थिति में तो ये हमेशा के लिए उनके रेस्तरां से दूरी बना सकते हैं, इसलिए बेहतर है कि खुद ही इससे दूर हो जाया जाए। यह साल 2019 की शुरुआत थी। उन्होंने खुद को रेस्तरां से दूर करके इलाज पर ध्यान देना शुरू किया। नतीजतन, कारोबार में नुकसान होने लगा। एक ओर इलाज का खर्च और दूसरी तरफ कारोबार में घाटा। जनवरी 2020 तक शिवम करीब 18 लाख रुपये के कर्ज में डूब चुके थे। रेस्तरां को बंद करना ही उन्हें उस वक्त मुनासिब जान पड़ा।

जाहिर है, देनदारों का दबाव बढ़ता जा रहा था, और इसकी वजह से परिवार के भीतर भी तनाव की स्थितियां पैदा होने लगी थीं। इस नाजुक मोड़ पर पिता बेसाख्ता याद आए, मगर वह तो जा चुके थे। शिवम की निराशा गहराने लगी थी। चरम हताश पलों में कई बार ख्याल आया कि ऐसा जीवन किस काम का? इसे लाश की तरह ढोने का क्या फायदा? खुद को काल को सौंप देते हैं, शायद इससे सबका कुछ भला हो जाए? फिर मां और दोनों छोटे भाइयों का ख्याल आ जाता, अतिवादी कदम थम जाते

थे। मगर बढ़ती उलझनों के बीच 21 मार्च को शिवम ने मां के नाम खत लिखा कि वह उन्हें तलाशने की कोशिश नहीं करें और घर से निकल गए।

पॉकेट में सिर्फ 500 रुपये थे। न कोई लक्ष्य था, न कोई मंजिल। जिस बस में सवार हुए, वह उन्हें इंदौर ले आई थी। पर दुर्योग भी साथ चला आया था। कोविड-19 से निपटने के लिए अगले ही दिन पूरे देश में 'जनता कर्फ्यू' लग गया था। पूरा इंदौर बंद था। शिवम के लिए यह बिल्कुल अनजान शहर था। बिस्कुट के दो पैकेट से किसी तरह वह दिन काटा कि शायद कल कहीं कुछ काम मिल जाए। मगर एक दिन बाद ही लंबे लॉकडाउन की घोषणा रही-बची उम्मीदों पर वज्रपात-सी थी। चंद दिनों के भीतर ही सारे पैसे खत्म हो गए थे। कभी सड़क किनारे पुलिस से छिपकर, कभी स्टेशन पर, तो कभी सरकारी एमवाई अस्पताल की बेंचों पर रातें कटीं।

उन डेढ़ महीनों में कभी फ्रूट पैकेट बांटने वाले करम कर जाते, तो कभी कोई दानवीर बुलाकर कुछ खिला देता। दरियादिल इंदौर वालों ने शिवम को फाकाकशी से तो बचा लिया था, मगर उन्हें अपने पांवों पर खड़ा होना था। उन्होंने नौकरी की तलाश शुरू की। चूंकि उन दिनों काफी लोग अपने-अपने गांव लौट गए थे, इसलिए एक सरकारी अस्पताल में शिवम को सुरक्षा गार्ड की नौकरी मिल गई। कुछ महीनों में ही दिन-रात मेहनत करके उन्होंने इतने पैसे बचा लिए कि अपना छोटा-सा रेस्तरां खोल सकें। इस बीच उन्होंने अपने दोनों भाइयों से संपर्क किया, तो पता चला कि शिवम का कर्ज चुकाने के लिए मां ने घर बेच दिया। मां नहीं चाहती थीं कि उनके बेटे को लोग कोसें और बद्दुआएं दें। वह शिवम की सलामती के लिए हर दर पर माथा टेका करतीं। कोविड संक्रमण की खबरों ने उन्हें भयभीत कर रखा था।

मां को पता चला, तो उन्होंने बेटे को फौरन सागर लौट आने को कहा। मगर शिवम उस शहर का कर्ज चुकाना चाहते थे, जिसने उनके दुर्दिनों में उन्हें जिंदा रखा। उन दिनों में वह एक गुरुद्वारे में लंगर छक चुके थे। इंसानियत की इस बेमिसाल सेवा-पद्धति ने शिवम पर गहरा असर डाला था। इसलिए उन्होंने अपने नए रेस्तरां का नाम रखा है- 'हंगर लंगर।' इंदौर में माता गुजरी कॉलेज के करीब स्थित इस रेस्तरां में शिवम महज 10 रुपये में पौष्टिक भोजन मुहैया कराते हैं, ताकि कोई उनके यहां से भूखा न जाए। 30 रुपये की थाली से अर्जित आय से वह 10 रुपये वाली योजना के घाटे की भरपायी कर लेते हैं। सप्ताह में एक दिन वह मुफ्त में लंगर लगाते हैं।

'हंगर लंगर' में हर रोज तकरीबन 500 लोग खाना खाने आते हैं। कई ग्राहक तो उन्हें बिल के अतिरिक्त भुगतान कर जाते हैं, ताकि उनका नेक कारोबार फलता-फूलता रहे। शिवम सोनी का नाम अब इंदौर के बाहर भी मकबूल हो चला है। दोनों छोटे भाई भी अब उनके कारोबार में हाथ बटाने सागर से इंदौर आ गए हैं। होटल मैनेजमेंट की डिग्री लेने की तैयारी कर रहे शिवम का इरादा पूरे इंदौर में 'हंगर लंगर' की शृंखला खोलने का है, ताकि इस शहर में कोई भूखा न सोए। भूख की तड़प वह जानते हैं। बेटे की इस कामयाबी से गदगद मां कहती हैं- 'चंद वर्षों में शिवम दशकों का सफर तय कर आया है। मुझे पूरा यकीन है, वह अपनी जिंदगी में बेहतर करेगा।' काश! हर हताश नौजवान में शिवम-सा धैर्य होता।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

संसार की छत पर वह पहला इंसान

रेनहोल्ड मेसनर, विख्यात पर्वतारोही

वह संसार की छत को चूम चुके थे। आज से 44 साल पहले वह संसार के पहले इंसान थे, जो अतिरिक्त ऑक्सीजन का सहारा लिए बगैर वहां खड़े थे। दिल्ली जब 42 डिग्री सेल्सियस पर तप रही थी, तब संसार की छत पर तापमान माइनस 18 से नीचे जाने को बेताब हो रहा था। तापमान में यह 60 डिग्री का अंतर कतई सहज कल्पनीय नहीं है। इतनी ठंडी जगह पर बगैर ऑक्सीजन सिलेंडर वह वीरता और जीवटता की मिसाल बन खड़े थे।

उस पल उन्हें हल्का-सा एहसास भर हुआ था कि वह जिस जगह खड़े हैं, वह माउंट एवरेस्ट पृथ्वी की सबसे ऊंची जगह है, जिसे सागरमाथा भी कहते हैं। नेपाली शब्द सागरमाथा का अर्थ है आकाश की देवी, जबकि तिब्बती इसे चोमोलुंगमा या ब्रह्मांड की देवी कहते हैं। इस चोटी की समुद्र तल से ऊंचाई 8,848 मीटर या 29,029 फीट है। यहां असली चढ़ाई 8,000 मीटर के बाद शुरू होती है। बीच का 848 मीटर का बर्फीला प्रदेश मौत का अपना इलाका है। सैकड़ों लोग इस इलाके में आ जाते हैं, पर लौट नहीं पाते हैं। करोड़ों लोग एवरेस्ट चूमने का सपना देखते हैं, लेकिन उनमें से पांच-दस ही यहां पहुंच पाते हैं।

बहरहाल, इस चढ़ाई ने मानो उनके शरीर से सब कुछ निचोड़ लिया था, कुछ समझ में नहीं आ रहा था। कोई भी विचार या भाव ठहर नहीं रहा था। वाकई, जहां सांस लेना कठिन हो, वहां कुछ सोचना भी असंभव हो जाता है। मतलब सोच को भी पूरी सांस की जरूरत पड़ती है। तब एक कदम घटाने या बढ़ाने की गुंजाइश मुश्किल लग रही थी। एहसास था कि जहां पहुंचने का ख्वाब देखा था, वहां पहुंच गए। मानो सब काम खत्म हो गया।

अभी कुछ ही देर पहले पांच कदम चलते थे और फिर बर्फ में खुद को गिरने देते थे, बहुत मुश्किल से फेफड़े में कुछ हवा भरती थी, तो फिर रेंगते हुए चढ़ने लगते थे। चढ़ाई में एक समय आया, जब दो-दो कदम बाद बर्फ को बिस्तर बनाना पड़ रहा था। दो के बाद तीसरे कदम के लिए ताकत ही नहीं बचती थी। फिर ताकत जुटती थी, तो लगता था कि इस बार चार कदम चल लेंगे, लेकिन फिर वही दो कदम पर लुढ़कना पड़ता था कि शरीर लेटे-लेटे आगे केलिए कुछ ताकत जुटा ले।

सर्वोच्च शिखर से मिलकर मानो आध्यात्मिक अमूर्तता की स्थिति प्राप्त हो गई थी। सोचने-समझने की दृष्टि खो जा रही थी। कई बार ऐसा लगता था कि वह किसी संकीर्ण हांफते फेफड़े से ज्यादा कुछ नहीं हैं। फेफड़ा भी पथराने लग रहा था, भारी हो जा रहा था, मानो बर्फ के कोहरे पर तैरने लग रहा हो। कभी लगता, कोहरा कहीं उड़ा ले जाएगा। कुछ भय भी लगा, तो कदम लौट चले। निढाल लौटते कदमों में ऊर्जा बहुत कम बची थी। किसी तरह धीरे-धीरे लौटते हुए फिर चरम मौसम, ठंड और खड़ी बर्फीली ढलानें मिलती गईं।

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

NJ
सोने, चांदी के जेवर के विक्रेता
सांखला नवीन ज्वेलर्स
जवाहर चौक, दुर्ग

विनय मेडिकल स्टोर्स
सभी प्रकार के अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवी के चिल्हर विक्रेता
मो.-9329766891
शॉप नं.-15, महात्मा गांधी मार्केट, अग्रेसन चौक, दुर्ग (छ.ग.)

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मानसून के 7 जून तक छत्तीसगढ़ आने की संभावना

रायपुर। मौषम विभाग ने इस बार मानसून के जल्दी आने की संभावना व्यक्त की है। मौषम विभाग के अनुसार मानसून 27 मई तक केरल पहुंच जाएगा और अगर ऐसा होता है दस दिनों बाद यानि 7 जून तक मानसून छत्तीसगढ़ पहुंच सकता है। मौषम विभाग के अनुसार भारत में दक्षिण अंडमान सागर में शुरूआती मानसूनी बारिश का अनुभव होता है इसके साथ ही मानसूनी हवाएं बंगाल की खाड़ी के उत्तर पश्चिम मानसून की ओर आगे बढ़ती है। सामान्य रूप से दक्षिण पश्चिम मानसून 22 मई तक अंडमान सागर के ऊपर से आगे बढ़ता है। अभी बढ़ी हुई क्रास इक्वेटोरियल हवा की स्थिति दक्षिण अंडमान सागर,निकोबार द्वीप समूह और दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में मानसून के आग बढ़ने के अनुकुल हो रही है। मौषम विभाग के गणितीय मॉडल के अनुसार इस साल केरल में मानसून सामान्य से पहले 27 मई का आ सकता है। इस मॉडल के चार दिन आगे-पीछे होने की संभावना है। इस आधार पर छत्तीसगढ़ में मानसून की शुरूवात इसके 10 दिनों बाद यानि 7 जून तक हो सकती है।

युवोदय खेल मंडई व जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए संसदीय सचिव

जगदलपुर। विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव (नगरीय प्रशासन एवं श्रम विभाग) रेखचंद जैन की अध्यक्षता में आज ग्राम पंचायत नानगूर में छः पंचायतों नानगूर, अलनार, मांझीगुडा, सिडमूर, छोटे कवाली, बड़े कवाली के लिए युवोदय खेल मंडई एवं विशेष जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के द्वारा लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया तथा शासन की योजनाओं के संबंध में लोगों को जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है, जिसमें सभी विभागों के द्वारा आपके ग्राम पंचायत में ही विभिन्न समस्यायों का समाधान किया जा रहा है।

गंडई पुलिस द्वारा किया गया निजात अभियान

पुलिस कप्तान के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिको को जागरूकता के दौरान दिलाया गया, सभी नशा मुक्ति के विरूद्ध सामूहिक संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगाँव। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आई.पी.एस. अंकिता शर्मा , अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयप्रकाश बढ़ई व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी गंडई प्रशांत खाण्डे के मार्ग निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक सनत् सोनवानी के नेतृत्व में गंडई पुलिस के द्वारा थाना गंडई क्षेत्र में लगातार निजात अभियान चलाया जा रहा है।

आज गंडई स्थित गंडई में निजात अभियान कार्यक्रम के तहत् सर्व प्रथम विशिष्ट अतिथियों द्वारा भारत माता के तैल चित्र पर माल्य अर्पण कर दीप प्रज्यलवित कर पूजा कर कार्यक्रम

आरंभ किया गया, इसके बाद सभी विशिष्टगण, नागरिकगणों के द्वारा अपने स्थान पर खडे होकर ससम्मान राज्य गीत अरपा पैरी के धार गीत गाकर छत्तीसगढ़ महतारी को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया बाद सभी विशिष्ट अतिथियों का फुल माला से स्वागत किया गया, निजात अभियान के तहत् विशिष्ट अतिथि मननीया यशोदा वर्मा, पीसी यादव, चेतन देवांगन, ब्रम्ह कुमारी यामनी दीदी, डाक्टर प्रशांत सोनी, पद्म फुलबासन यादव, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गंडई प्रशांत खाण्डे एवं सभी विशिष्ट अतिथिगण द्वारा अपने-अपने संबोधन में नशा मुक्ति के संबंध में अवैध नशा का उपयोग न करने के संबंध में बताये,

संबोधन पश्चात् ब्रम्ह कुमारी की टीम के द्वारा नशा मुक्ति के संबंध में बहुत ही शानदार नाट्य मंच की प्रस्तुती दिया गया बाद व्रैक् महोदया आई.पी.एस. अंकिता शर्मा मैडम के द्वारा अपने उद्बोधन में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिला राजनांदगाँव में चलाये जा रहे निजात अभियान का प्रशंसा करते हुये उन्होने भी नारकोटिक्स/ड्रक्स(नशीली पदार्थ, गांजा, टेबलेट, सीरप, सुलेशन) एवं अवैध नशा का उपयोग न करने व इनसे होने वाले दुषपरिणामों के संबंध में एवं अभिव्यक्ति ऐप के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दिये, तथा अंत में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित गण मान्य नागरिको को संबोधन करते हुये नारकोटिक्स/ड्रक्स(नशीली पदार्थ, गांजा, टेबलेट, सीरप, सुलेशन) एवं अवैध नशा का उपयोग न करने व इनसे होने वाले दुषपरिणामों के संबंध में बताते हुये नशा समाज के हर वर्ग को प्रभावित करता है यह एक सामाजिक बुराई है इसको समाज के लोगो के सहयोग से ही समाजिक बुराई को दूर किया जा सकता है ।

इस समाजिक अभियान के तहत् अगर कोई नशा के आदी है तो उसका काउसलिंग कराया जाएगा, आप सभी इस अभियान का हिस्सा बने इसको पुलिस के अभियान के साथ-साथ अपना अभियान बनाये। जरूरत है इस बुराई से हम सब मिलकर लडे, ताकि इस बुराई से जिला को निजात दिला सके। संबोधन पश्चात व्यापारी संगठन गंडई के द्वारा पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव संतोष सिंह, आई.पी.एस. अंकिता शर्मा , जगदीश सोनकर, एसडीओपी गंडई प्रशांत खाण्डे, थाना प्रभारी गंडई सनत सोनवानी का सम्मान किया गया।

जैविक वर्मी कम्पोस्ट खाद के उपयोग से भूमि की बढ़ी उर्वरता

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कम कीमत पर उपलब्ध जैविक वर्मी कम्पोस्ट खाद के उपयोग से भूमि की उर्वरता बढ़ रही है। शासन द्वारा गौठानों में महिला समूहों को प्रोत्साहित कर गोधन न्याय योजनान्तर्गत निर्मित किये गये वर्मी कम्पोस्ट खाद न केवल चमत्कारिक गुणों से भरपूर है बल्कि हर कृषकों और हर खेतों तक पहुंच आसान हो इसलिए यह बहुत ही कम दर पर किसानों के लिए उपलब्ध है।

गोधन न्याय योजना की शुरूवात होने के बाद गांव के गौठान में उच्चगुणवत्तायुक्त जैविक वर्मी खाद का निर्माण होने तथा सहकारी समितियों में आसानी से उपलब्ध होने के कारण किसान बड़ी मात्रा में वर्मी खाद का उपयोग कर रहे हैं। जिसकी गुणवत्ता का

प्रत्यक्ष प्रमाण खेतों में खड़े फसल की उपज, कीट बीमारियों का कम प्रकोप और दानों मे चमक को देखकर किसानों के चेहरे पर आई मुस्कान है।

मानपुर विकासखंड के गांव हथरा के सीमांत किसान कलीराम ने 2 हेक्टेयर में मक्का फसल प्रदर्शन में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग किया, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि पहले रबी सीजन में फसलों से अधिक से अधिक पैदावार लेने के लिए रासायनिक खादों और तरह-तरह के दवाईयों का उपयोग किया जाता रहा है, क्योंकि भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए और कोई विकल्प उपलब्ध नहीं था और बाजार में उपलब्ध जैविक खाद महंगे थे। लेकिन अब विगत वर्ष गोधन न्याय योजना के अंतर्गत कम कीमत में वर्मी कम्पोस्ट उपलब्ध हो रहा है। जिससे परिवर्तन आया है। डोंगरगढ़ विकासखंड के गांव नागतराई की लघु कृषक श्रीमती हीराबाई ने बताया कि 1 हेक्टेयर में मक्का फसल लगाई थी तथा वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करने से उत्पादन में बढ़ोत्तरी हुई।

छुरिया विकासखंड के ग्राम नादिया के लघु एवं सीमांत कृषक कमलेश ने बताया कि उन्होंने 1 हेक्टेयर में रागी की फसल लगाई थी और वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग करने से बेहतर परिणाम मिला है। उन्होंने कहा कि रागी फसल के लिए भूमि की तैयारी करते समय 5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर वर्मी कम्पोस्ट खाद का उपयोग किया गया है।

इसके अलावा केवल फसलों के ग्रोथ के लिए वेस्ट डी-कम्पोजर से तैयार किया गया स्प्रे का उपयोग किया गया है। जिसके परिणाम स्वरूप खेती कास्त लागत कम होने के साथ ही कीट बीमारी नहीं लगने से दवाओं का खर्चा भी बचा है। वहीं ग्राम धनगांव के किसान अनिरूद्ध ने 1-1 हेक्टेयर में रागी फसल प्रदर्शन के लिए वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करते हुए उत्पादन में वृद्धि की है।

मन में हौसला और इच्छाशक्ति हो तो सफलता की मिलती हैं नई राहे

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मन में हौसला और इच्छाशक्ति हो तो सफलता की नई राहे खुलने लगती हैं। राजनांदगांव जिले के ग्राम बघेरा की श्रीमती मनीषा यादव की एक सफल उद्यमी बनने की राहें खुली मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से। उन्होंने इस योजना से प्राप्त 1 लाख 65 हजार रूपए की राशि से अपनी एक रेडिमेड कपड़ों की दुकान खोल ली है।

जिससे उन्हें प्रतिवर्ष 25 से 30 हजार की आमदनी हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना बहुत अच्छी है। इसके माध्यम से ऐसे युवा जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होती, उन्हें अपना व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए संबल और हिम्मत मिलती है। उन्होंने इस मदद के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को तहेदिल से धन्यवाद दिया।

श्रीमती मनीषा यादव ने कहा कि राज्य आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान से जुडने के बाद उनके जीवन में परिवर्तन आया और उन्हें वहां मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार के संबंध में जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास हो तो सफलता मिलती है और आत्मविश्वास अच्छी शिक्षा से मिलती है। उन्होंने बताया कि वे अपने बेटे जयेश यादव को अच्छी शिक्षा देना चाहती है। इसके साथ ही अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहती हैं। उन्होंने अब तक 1 लाख रूपए का ऋण सफलतापूर्वक चुका दिया है।

लोक अदालत में डेढ़ लाख से ज्यादा प्रकरणों का निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2022 में आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के अनुक्रम में मुख्य संरक्षक महोदय छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में तालुका स्तर से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक सभी न्यायालयों में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाकर राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गये हैं।

उक्त लोक अदालत में प्रकरणों कें पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने के अतिरिक्त स्पेशल सिटिंग के माध्यम से भी पेटी ऑफेंस के प्रकरणों को निराकृत किये गये हैं।

समाचार लिखे जाने तक उक्त नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह समझौता के माध्यम से विभिन्न न्यायालयों से कुल 1,25,000 से अधिक प्रकरणों का निराकरण हो चुके है तथा आज दिनांक को आयोजित नेशनल लोक अदालत की समाप्ति तक लगभग 1,50,000 से अधिक प्रकरणों के निराकृत होने की संभावना बताई गई है। इसी प्रकार उपरोक्त नेशनल लोक अदालत में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में कुल 03 खण्डपीठों के द्वारा कुल 45 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 4870000/- रूपये का अवार्ड पारित किया गया।

नेशनल लोक अदालत, जो वर्चुअल एवं फिजिकल दोनों माध्यमों से जिला न्यायालय रायगढ़, तहसील न्यायालय सारंगढ़, घरघोड़ा, धरमजयगढ़ एवं खरसिया सहित राजस्व न्यायालयों में आयोजित किया गया। जिला मुख्यालय सहित तहसील स्थित सिविल न्यायालयों में गठित कुल 20 खण्डपीठों में लंबित प्रकरण 1745 एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण 8163 को लोक अदालत में रखा गया, जिसमें से लंबित 1023 एवं प्रीलिटिगेशन 151 प्रकरण निराकृत हुये तथा राजस्व न्यायालयों में गठित 31 खण्डपीठों में कुल 1997 राजस्व संबंधी प्रीलिटिगेशन के प्रकरण निराकृत किये गये । इस प्रकार इस नेशनल लोक अदालत में कुल 3171 प्रकरणों का निराकरण किया गया और उन प्रकरणों के अंतर्गत कुल 3 करोड़ 39 लाख 89 हजार 229 रूपये का सेटलमेंट हुआ।

आज आयोजित नेशनल लोक अदालत का निरीक्षण न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी कार्यपालक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा न्यायमूर्ति पी.सैम कोसी पोर्टाफेलियो जज, जिला न्यायालय बिलसपुर द्वारा किया गया। न्यायाधीशों द्वारा सभी खंडपीठो में उपस्थित पक्षकारों से चर्चा की गयी उन्हें समझाईश दिया गया तथा खंडपीठ के न्यायिक अधिकारियों, सदस्यों तथा अधिवक्ताओं से भी चर्चा की गई। अशोक लाल अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बिलासपुर के न्यायालय में दुर्घटना के प्रकरण में आवेदिका फूलबाई को दस लाख बीस हजार रूपये का अवार्ड दिया गया। आवेदिका के पति भोपाल दुबे की दुर्घटना में 16 दिसम्बर 2020 में मृत्यु हो गई थी। मृतक की पत्नी फूलबाई लकवाग्रस्त हैं तथा चलने-फिरने में असमर्थ होने के कारण व्हीलचेयर में आज न्यायालय में उपस्थित हुईं।

कैट ने सरकार के गेहूं निर्यात प्रतिबंध निर्णय का समर्थन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए कहा है कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर, स्टॉक की जमाखोरी को रोकने और पहले घरेलू खपत को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को ये दर्शाता है जो कि एक स्वागत योग्य कदम है। भारत में खाद्य सुरक्षा की रक्षा के लिए यह कदम आवश्यक था-कैट ने कहा।

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि देश में अनिर्धारित, अचानक और व्यापक गर्मी ने गेहूं के उत्पादन को काफी नुकसान पहुंचाया है। वैश्विक स्तर पर गेहूं की कमी है और रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध उसके लिए एक प्रमुख कारक है। भारत विशाल सीमांत आय वाले लोगों की भूमि है और रोटी, कपड़ा और मकान की उपलब्धता सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश को गेहूं की कोई कमी न हो, ऐसा लगता है कि सरकार ने यह निर्णय लिया है- दोनों व्यापारी नेताओं ने कहा । श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा कि भारत पूरी दुनिया में चीन के बाद गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। लगभग 30 मिलियन हेक्टेयर भूमि का उपयोग गेहूं उत्पादन के लिए किया जाता है। उम्मीद है कि इस साल उत्पादन करीब 125 मिलियन मीट्रिक टन होगा। गेहूं की घरेलू खपत 105 मिलियन मीट्रिक टन है। हालांकि, भारत में गेहूं की कमी से बचने के लिए निवारक कदम आवश्यक हैं और इसलिए सरकार के निर्णय की सराहना की जानी चाहिए है। जाहिर है, इस प्रतिबंध का किसानों और व्यापारियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है, लेकिन बाजार पर प्रतिबंध के प्रभाव को समझने के लिए कम से कम 48 घंटे की जरूरत है।

RKMG COMMUNITY
E-Commerce platform for Indians

समस्त व्यापारि भाइयों और बहनों के लिए e-commerce प्लेटफॉर्म है RKMG community जो कि आपको आने वाले समय में मजबूत करेगा compete करने के लिए हर आन लाइन प्लेटफार्म से।

- हम आपको digital franchise बनाएँगे, जहाँ कई branded companies के समान को competitive रेट पर अपने ग्राहक को बेच पाएंगे और अपनी आमदनी बढ़ा पाएंगे।
- यहाँ अपने ग्राहक को पचास से भी अधिक समान बेच पाएंगे, बिना स्टोक रखे ।
- अपने ग्राहक से पैसे अपने अकाउंट में लेंगे और franchise price काट कर बाकी कम्पनी के ऑडर के लिए देंगे।
- RKMG आप लोगो से रूपए 5000+18% GST Franchise agreement fee लेगी।
- अधिक जानकारी के लिए 7828463843 & 9650145151 पर काल करे।

We are about to launch products live of your interest from 7th of May w®ww. From this day onwards You may Log on to www.rkmg.in/community/inde&.html and you will come to a page "welcome to RKMG community. On that page click on Read more. To buy products and services, click on to ecommerce and you will find all products being displayed. Here you are required to place order for the products at competitive prices as per your choices. You may contact at the below given franchisee for further clarification.

Pradeep Kumar Satpaty

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

गद्दा सादा 200/-
गद्दा हाथ बावडर 10 KG 650/-
गद्दा हाथ बावडर 15 KG 750/-
गद्दा मिनी चेक 6 KG 400/-
तकिया 100/- 2
तकिया 150/- 2
तकिया फायबर 250/- 2
कुशन फायबर 500/- सैट
MATTRESS 30% से 50% लेस
सफेद रूई के गद्दे
3X6 4X6 6X6
तैयार मिलते है।
सोफा कम बेड, बीन बैग, चादरे, सोफा कवर
संजय रूई भंडार
पंडरी मेन रोड, रायपुर
7987081626, 7987918262

खास खबर

छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउन्सिल ने फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों से पंजीयन के नवीनीकरण की अपील की

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल ने फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों से पंजीयन का नवीनीकरण कराने की अपील की है। काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. श्रीकांत राजिमवाले द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउन्सिल रायपुर के 6 सदस्यों का निर्वाचन निकट भविष्य में किया जाना सम्भावित है। इसलिए ऐसे सभी फार्मासिस्ट पंजीयन धारक जिनके प्रमाण पत्र का नवीनीकरण 31 दिसम्बर 2021 या उसके पूर्व के वर्ष में समाप्त हो गया है, वे अपने पंजीयन का नवीनीकरण अतिशीघ्र या 30 जून 2022 तक आवश्यक रूप से करवा लें जिससे उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किया जा सके। इसके बिना निर्वाचन के लिए मतदाता सूची में नाम नहीं जोड़ा जाएगा। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउन्सिल ने फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों से अपील की है कि निर्वाचन सहित आवश्यक सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए पूर्व में दिये गये पते, मोबाइल नम्बर, ई-मेल या हस्ताक्षर में किसी प्रकार का परिवर्तन हो गया हो, या नाम, पिता के नाम में किसी भी प्रकार की त्रुटि हो तो इसकी जानकारी आवश्यक दस्तावेजों (एड्रेस प्रूफ) के साथ 30 जून 2022 के पूर्व रजिस्ट्रार कार्यालय को प्रेषित करें। काउन्सिल ने ऐसे सभी फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों के परिजनों से आग्रह किया है कि जिन फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों का निधन इस सूचना के जारी होने के पूर्व हो चुका है, वे मृत फार्मासिस्ट पंजीयन धारक की जानकारी आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय को प्रेषित करें ताकि उनका नाम कार्यालय के रिकार्ड से विलोपित किया जा सके। काउंसिल ने दिवंगत फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

1150 साल पुरानी नृसिंह प्रतिमाः गर्मी में रहती है ठंडी और ठंड के मौसम में गर्म

रायपुर (ए)। राजधानी में कोरोना महामारी के दो साल बाद भगवान नृसिंह अवतार का मंचन शनिवार को ब्रम्हपुरी और बूढ़ेश्वर मंदिर में होगा। नृसिंह जयंती पर दोनों मंदिरों से अलग-अलग शोभायात्रा निकाली जाएगी। राजा हिरण्यकश्यप कोड़े बरसाते हुए निकलेंगे। शोभायात्रा जब वापस मंदिर पहुंचेगी तब दिन और रात की बेला में शाम को भगवान नृसिंह अवतार लेंगे और हिरण्यकश्यप का संहार करेंगे। भगवान नृसिंह की छत्तीसगढ़ में सबसे पुरानी प्रतिमा ब्रह्मपुरी इलाके में स्थित मंदिर में प्रतिष्ठापित है। यह लगभग 1150 साल पुरानी है। मंदिर में सन 870 के आसपास भोसले राजा हरिहर वंशी ने प्रतिमा की प्राणप्रतिष्ठा करवाई थी। महंत देवदास बताते हैं कि काले पत्थर से बनी नृसिंह प्रतिमा की विशेषता यह है कि गर्मी के मौसम में यह ठंडी और ठंड के मौसम में गर्म रहती है।

नृसिंह मंदिर में एक-एक पत्थर को काटकर 10-10 फीट ऊंचे खंभे बनाए गए हैं। पूरा मंदिर ऐसे 28 खंभों पर टिका है। छत पर विविध कोण बने हैं। हर कोण की डिजाइन अलग है। इसे ताबीज कहा जाता है। कहा जाता है कि इन कोणों के नीचे बैठकर मंत्रोच्चार करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सुबह दुग्धाभिषेक, भंडारा

श्री बिरंचि नारायण मंदिर ब्रह्मपुरी में भगवान नृसिंह का प्रकट उत्सव पर सुबह 10 बजे दुग्धाभिषेक होगा। दोपहर 12 बजे हवन पूजन होगा। दोपहर एक से शाम चार बजे तक भोजन प्रसादी के बाद शाम को 4:30 बजे से शोभायात्रा निकलेगी।

विरंचि-नारायण की प्रतिमा

मंदिर में काले पत्थरों से क्षीर सागर में विश्राम कर रहे भगवान विष्णु और उनकी नाभि से निकले पुष्प पर विराजित विरंचि (ब्रह्मा) एवं भगवान विष्णु के चरण दबाते हुए माता लक्ष्मी की आकर्षक प्रतिमा भी प्रतिष्ठापित है। इस प्रतिमा पर 11 नाग फन फैलाए हुए हैं। संपूर्ण प्रतिमा एक ही पत्थर से निर्मित की है। मंदिर में अनेक महंतों ने सेवा दी है, लेकिन मंदिर के लिखित इतिहास के अनुसार सात पीढ़ी के नाम ही दर्ज हैं। उनमें प्रमुख रूप से महंत रामनारायण दास, महंत सरजूदास, महंत गिरधारी दास, महंत सेवादास, महंत रघुवीर दास, महंत बिहारी दास के नाम प्रमुख हैं। वर्तमान में 17वें महंत के रूप में महंत देवदास सेवा दे रहे हैं।

प्रदेश के सभी निर्माण विभागों के टेंडर बहिष्कार का एलान

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर्स एसोसिएशन की लगातार हुई बैठकों के दौर के बाद प्रदेश के सभी निर्माण विभागों की टेंडर प्रकिया का पूरी तरह बहिष्कार करने का एलान कर दिया गया है। इसके साथ ही शनिवार से अब प्रदेश का कोई भी कांट्रैक्टर न तो ऑनलाइन, न ही मैन्युअल टेंडर फार्म भरेगा और न ही किसी को भरने देंगे। एसोसिएशन के सभी जिला अध्यक्षों की बैठकों में यह फैसला लिया गया।

बता दें कि पिछले एक सप्ताह से कांट्रेक्टर एसोसिएशन अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलनरत है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेश शुक्ला के नेतृत्व में लगातार बैठकों का दौर चला, जिसमें करोड़ों रुपये से लेकर सभी श्रेणी के पंजीकृत हजारों ठेकेदार शामिल हुए। महंगी निर्माण सामग्री के दामों में 50 से 60 फीसद बढ़ोतरी के कारण निर्माण कार्य करने में सभी ने असमर्थता जताई है।

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बीरेश शुक्ला ने बताया कि प्रदेश भर के कांट्रेक्टर एकजुट है। एसओआर और बाजार मूल्य में निर्माण सामग्री इतनी महंगी हुई है कि कांट्रेक्टर बाजार और बैंकों से कर्ज लेकर पूरी तरह से कर्ज में डूबते जा रहे हैं। ऐसे हालात में निर्माण कार्यों को न तो पूरा कराने की स्थिति में है और न ही अब किसी तरह की टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। निर्माण विभागों में अनुबंध के बाद निर्माण सामग्री के दामों में हुई बढ़ोतरी की वजह से ऐसा निर्णय लेने को मजबूर हुए है।

एसोसिएशन के इस फैसले का बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भी अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। बिल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष केसी राव ने है कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के सभी निर्माण विभागों के शेड्यूल आफ रेट (एसओआर) और बाजार मूल्य में करीब 60 फीसद का अंतर आया है, इसलिए छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने जो फैसला लिया है, वह ठेकेदारों को कर्ज में डूबने से बचाने वाला हितकारी निर्णय है।

छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर्स के प्रदेश अध्यक्ष बीरेश शुक्ला और बिल्डर एसोसिएशन आफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष केसी राव ने संयुक्त रूप से बताया कि सभी निर्माण प्रमुखों को एसओआर दर और बाजार मूल्य के अंतर की राशि की स्वीकृति समेत 15 सूत्री मांगों पत्र सौंपकर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात करने का भी समय मांगा गया है, ताकि निर्माण कार्यों को लेकर जो स्थिति उत्पन्न हुई है उसका समाधान हो सके। महंगे निर्माण मटेरियल के कारण प्रदेश में निर्माण कार्यों की गति पूरी तरह से रुक गई है। इसके साथ ही अब टेंडर लेने की स्थिति में ठेकेदार नहीं है, इसलिए शासन से सहानुभूति पूर्वक विकट समस्या का समाधान करने का एसोसिएशन ने आग्रह किया है।

बारिश से पहले नाले की सफाई शुरु, पहले दिन निकला 20 डम्फर कचरा

रायपुर (ए)। रायपुर नगर निगम द्वारा बारिश में जलभराव से रोकने के लिए अभी से अभियान अभी से छेड़ दिया गया है। आज रामनगर क्षेत्र में पोकलेन की मदद से बड़े नाले से करीब 20 डंपर कचरा बाहर निकाला गया। इस नाले की सफाई में अभी छह सात दिन और लगेंगे।

महापौर एजाज ढेबर और निगमायुक्त प्रभात मलिक के निर्देश पर बारिश से पूर्व ही निगम अमला बड़े नालों और नालियों की सफाई में जुट गया है। इसकी जिम्मेदारी उपायुक्त स्वास्थ्य एके हलधार और स्वास्थ्य अधिकारी विजय पांडे को दी गई है। निगम के जोन क्रमांक 7 के स्वास्थ्य अधिकारी बरोन बंजारे ने बताया कि ब्राह्मण पारा, कंकाली पारा, आमापारा तथा बूढ़ातालाब के पीछे के क्षेत्र की नाले नालियों का पानी रामनगर मुक्तिधाम वाले बड़ी नाली में जाकर गिरती हैं।

इस वजह से हर बरसात से पहले इस नाले की व्यापक स्तर पर की जाती है। आज इसकी शुरुआत रामनगर कोटा क्षेत्र के विधायक कार्यालय से की गई। बड़ा नाला होने की वजह से इसमें सप्ताह भर का समय लगेगा। इसी तरह समता और चौबे कालोनी में भी विशेष सफाई अभियान छेड़ दिया गया। जहां मशीन से सफाई हो जाती है वहां मशीन से सफाई की जा रही है। वहीं 11 एकड़ और रेलवे कालोनी में मशीन से सफाई सम्भव नहीं है, वहां मैनुअल पद्धति से सफाई कार्य शुरू कर दिया है।

ठेके पर शहर की सफाई व्यवस्था होगी खत्म हर माह एक करोड़ खर्च कर रहा निगम

रायपुर। शहर के 70 वार्डों में साफ-सफाई पर निगम हर माह करीब एक करोड़ रुपये खर्च कर रहा है, इसके बावजूद गंदगी से छुटकारा नहीं मिल रहा है। ऐसे में निगम प्रशासन ठेके पर सफाई व्यवस्था को खत्म करने का विचार कर रहा है। दरअसल, महापौर एजाज ढेबर और सभी पार्षद इंदौर और चंडीगढ़ नगर निगम की साफ-सफाई व्यवस्था देखकर लौटे हैं। महापौर एजाज ढेबर ने देखा कि दोनों शहरों में ठेके पर सफाई कराने के बजाय निगम प्रशासन अपने सफाई कामगारों और एनजीओ का सहयोग लेकर वार्डों की सफाई करा रहा है।

चुस्त मानिटरिंग की वजह से सफाई व्यवस्था पुख्ता है और निगम प्रशासन को कम खर्च करना पड़ रहा है। वर्तमान में ठेके पर रायपुर निगम में प्लेसमेंट पर 3,275 सफाई कामगारों को रखा गया है। जबकि, कचरा कलेक्शन के लिए दिल्ली की रामकी कंपनी अलग से ठेके पर काम कर रही है।

इंदौर और चंड़ीगढ़ के अध्ययन दौरे से लौटने के बाद महापौर एजाज ढेबर ने साफ किया है कि अब ठेका प्रथा पर सफाई व्यवस्था को बंद किया जाएगा। दरअसल, इंदौर में नियमित सफाई कामगार से आठ घंटे काम लिया जा रहा है, लिहाजा यह व्यवस्था रायपुर में भी लागू करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए निगम के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की अगले सप्ताह बैठक बुलाकर चर्चा करके फैसला लेने की संभावना है।

अफसरों ने बताया कि वर्तमान में नगर निगम में ठेके पर 3,275 सफाई कामगार 70 वार्डों की साफ-सफाई का काम कर रहे है। इन पर हर माह एक करोड़ रुपये खर्च हो रहा है। इसके साथ ही ठेके पर कचरा कलेक्शन के लिए

उपकरण, वाहनों का भी उपयोग होने से निगम को बड़ा खर्च करना पड़ता है।

गड़बड़ी करते है ठेकेदार

सफाई ठेकेदार अपने कामगारों को वार्डों में हर रोज कम संख्या में भेजते हैं, लेकिन हाजिरी रजिस्टर में पूरे कामगारों की उपस्थिति दर्ज कराकर निगम में बिल पेशकर लाखों रुपये का भुगतान प्राप्त कर लेते हैं। बीच में निगम के स्वास्थ्य विभाग ने सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने वार्डों में जाकर कामगारों की गिनती शुरू की तो यह सारी गड़बड़ी सामने आई। ऐसा करने वाले ठेकेदारों से जुर्माना वसूलने के साथ उनके बिल भी रोके गए। बाद में जांच बंद होने पर फिर से हालात जस के तस हो गए है।

इंदौर की हर व्यवस्था होगी लागू

इंदौर की तर्ज पर शहर के सौ एनजीओ को सक्रिय कर सफाई व्यवस्था को ठीक करने मदद ली जायेगी। इंदौर में गीला, सूखा के अलावा छह तरह के कचरे घर-घर से एकत्र करने का काम एनजीओ करती है। इन कचरों को निजी कंपनी को बेचकर निगम प्रशासन दो करोड़ रुपये कमाता है। कंपनी इन कचरों से सीएनजी गैस और खाद तैयार कर बेचती है। लिहाजा यहां भी सारी व्यवस्था लागू करने की कवायद तेज हो गई है।

रायपुर में भी लागू होगी इंदौर की व्यवस्थाएंः महापौर

महापौर एजाज ढेबर ने कहा कि इंदौर और चंडीगढ़ शहर की साफ-सफाई व्यवस्था से सभी जनप्रतिनिधि प्रभावित हैं। लिहाजा वहां की व्यवस्था को रायपुर में भी लागू करने पर विचार किया जा रहा है। इस संबंध में जल्द ही पार्षदों के साथ बैठक कर फैसला लिया जाएगा।

रेल यात्रियों की बढ़ती परेशानी

डोंगरगढ़, बिलासपुर और नांदगांव के लिए लोकल ट्रेन नहीं

रायपुर (ए)। डोंगरगढ़, बिलासपुर और राजनांदगांव के लिए लोकल ट्रेन नहीं चलने से यात्रियों की परेशानी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। रेलवे ने मालगाड़ियों से कोयले की ढुलाई के लिए कई लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया है। ये ट्रेनें एक महीने से ज्यादा समय के लिए रद्द कर दी गई हैं। काउंटर से जनरल टिकट नहीं मिलने से भी परेशानी हो रही है। ऑनलाइन टिकट लेने की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है।

रेलवे ने दो जोड़ी मेमू पैसेंजर ट्रेनों को 5 से 24 मई तक रद्द किया है। डोंगरगढ़ से रवाना होने वाली ट्रेन नंबर 08706 डोंगरगढ़-रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल नहीं चलेगी। इसी तरह 5 से 23 मई तक रायपुर से रवाना होने वाली ट्रेन नंबर 08709 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द है।

6 से 24 मई को डोंगरगढ़ से रवाना होने वाली ट्रेन नंबर 08709 डोंगरगढ़-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल का परिचालन बंद है। पहले ही रेलवे ने अपग्रेडेशन के नाम पर 20 एक्सप्रेस और पैसेंजर स्पेशल ट्रेनों को रद्द कर दिया था। ये ट्रेनें 25 मई तक रद्द रहेंगी।

डोंगरगढ़ से बिलासपुर के लिए भी कोई लोकल पैसेंजर ट्रेन नहीं है। ऐसे में लोगों को एक्सप्रेस ट्रेनों में ज्यादा पैसे देकर सफर करना पड़ रहा है। काउंटर से टिकट नहीं मिल रहा, लेकिन वहीं पास में खड़े टीटीई पेनाल्टी लेकर टिकट काट देता है। यह दो से ढाई गुना ज्यादा महंगा पड़ रहा है। ऐसे में लोगों की जेब कट रही है।

राजधानी में ब्रज के मांगल्य की सुखद कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

रायपुर (ए)। राजधानी में आज की उमस भरी शाम कुछ शीतल होती जान पड़ी तो कारण बना वृंदावन से आए संत विजय कौशल का सारगर्भित व्याख्यान। ब्रज मंडल में आए बदलाव की सुखद कहानी उन्होंने बताई। खासकर आग्रह किया किया कि वे आएं और ब्रज की सेवा करिये। वहाँ के भोजनालय से जुड़ने का आग्रह किया।

आज के व्याख्यान का विषय था- ब्रज में आई बदलाव की सुखद बयार। संतश्री ने ब्रज के संदर्भ में बताया कि ब्रज की एक और ख़ासियत है। वहां प्रत्येक घर-गांव में ठाकुरजी की लीलाएं हुई हैं। मणिपुर असम, बंगाल और ओडिशा के साधु निवास करते हैं।

दूसरी बड़ी बात है विधवा माताएं वहां रहती हैं। ब्रज में उन्हें आश्रय मिलता है। वे ब्रजमंडल की होकर रह जाती हैं, लेकिन ब्रज मंडल में नशा की कुरीतियां जड़ जमा रही थीं। ब्रज आर्थिक रूप से सम्पन्न नहीं है। अभावों का प्रदेश है। वहां बेहतर स्वास्थ्य की व्यवस्था हो, इसे लेकर हमारे आश्रम ने एक मिशन

आरंभ किया। इसके लिए 120 बीघे का अपना आश्रम हमने उन्हें समर्पित कर दिया।

कैसे ब्रज के लिए पुण्यात्माओं ने तन, मन, धन समर्पित कर दिए। दूसरी पीड़ा थी मेरे मन में तीर्थों को लेकर। ब्रज ऐसा तीर्थ है, जहां वर्ष भर आवागमन होता रहता है। सक्षम समाज, जो दर्शनार्थियों के रूप में आते थे, उनके लिए तो सब कुछ था, लेकिन गरीब तीर्थ यात्रियों के लिए कुछ भी नहीं।

समता कालोनी स्थित मैक आडिटोरियम में व्याख्यान से पूर्व वृंदावन की ही टोली ने हरेकृष्ण की रस वर्षा से सभागार में मौजूद सभी को रससिक्त कर दिया। दीप प्रज्वलन आदि में सहयोग दिया सर्वश्री सीताराम अग्रवाल, कृणाल जैन, कांता सिंघानिया, डॉ. एके तिवारी ने।

प्रल्हाद राय-राजिम, नारायण भुसानिया, मोहन अग्रवाल- सक्ती, मुरारी लाल अग्रवाल- बरगढ़, लड्डू गोपाल- भीमसरिया, ईश्वर अग्रवाल एवं शताब्दी पांडेय-रायपुर ने पुष्प अर्पित किया। व्याख्यान से पूर्व-बलदेव भाई शर्मा ने कबीर का पद गाया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

55 की हुईं धकधक गर्लः 3 साल की उम्र में सीखा कथक, खूबसूरती देख फ्री में काम करने के लिए तैयार हो गए थे शेखर सुमन

आज माधुरी दीक्षित 55 साल की हो चुकी हैं। माधुरी अपनी खुबसूरती, बेहतरीन अदाकारी, डांस स्किल्स से हमेशा लोगों को अपना दीवाना बनाए रखती हैं। माधुरी ने अबतक 70 फिल्मों में काम किया है। उनके एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म अबोध से हुई थी। तो चलिए आज जानते हैं धकधक गर्ल का कैसा रहा फिल्मी करियर और कैसे हुई थी फिल्मों में एंट्री....

3 साल की उम्र से सिखा कथक

माधुरी दीक्षित का जन्म 15 मई 1967 को मुंबई में एक मराठी ब्राह्मण फैमिली में हुआ था। उनके माता-पिता शंकर और स्नेहलता दीक्षित के चार बच्चे थे। शुरू से ही माधुरी को डांस में रुची थी तो उनके पिता ने उन्हें 3 साल की उम्र से ही कथक क्लास में प्रवेश दिलवा दिया। 8 साल की होने तक माधुरी एक ट्रेंड कथक डांसर बन चुकी थीं। जब माधुरी 8 साल की थीं तब उन्होंने गुरु पूर्णिमा पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर माधुरी का डांस इतना अच्छा था कि वहां मौजूद एक जर्नलिस्ट ने इस प्रोग्राम पर एक आर्टिकल लिखा जिसमें हेडलाइन थी, 'इस छोटी बच्ची ने कार्यक्रम को चुरा लिया'। जिसके कुछ समय बाद 9 साल की उम्र में माधुरी को कथक के लिए स्कॉलरशिप दी गई।

एक्टिंग के लिए छोड़ी पढ़ाई

माधुरी स्कूलिंग के दौरान भी एक्टिंग में काफी एक्टिव रहती थीं। स्कूल में हो रहे हर ड्रामा में माधुरी भाग लेती थीं। कॉलेज में पहुंचकर माधुरी ने B.Sc. की पढ़ाई की। लेकिन उनका मन पढ़ाई में कम और एक्टिंग में ज्यादा लगता था इसलिए उन्होंने पढ़ाई को बीच में ही छोड़कर फिल्मों में काम करने का मन बना लिया।

शुरुआती 4 साल फिल्में हुईं फ्लॉप

माधुरी की पहली फिल्म 1984 में आई फिल्म 'अबोध' थी। जो बुरी तरह फ्लॉप रही। लेकिन इस फिल्म में माधुरी की परफफार्मेंस को क्रिटीक्स को खूब प्यार मिला। जिसके बाद 1985 में आई फिल्म 'आवारा बाप' भी बहुत बुरी तरह फ्लॉप रही। इसी बीच एक फोटोग्राफर ने उनकी फोटो खींच ली जो उस वक्त की पॉपुलर मैग्जीन डेबोनियर में कवर पर छपी। ये फोटो इतनी अच्छी थी कि 1986 में माधुरी को कवर गर्ल के फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया। लेकिन अब तक माधुरी को फिल्मों में वो पहचान नहीं मिली थी जिसकी उन्हें तलाश थी।

पहली हिट थी तेजाब

अब तक माधुरी की सभी फिल्में फ्लॉप साबित हो रहीं थीं लेकिन हर फिल्म में उनकी एक्टिंग और मेहनत ने उन्हें एक हिट फिल्म दिलाई वो थी 'तेजाब'। 1988 में अनील कपूर के साथ लिडिंग रोल में नजर आईं माधुरी को इस फिल्म ने रातोंरात स्टार बना दिया था। ये फिल्म उस वक्त की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। फिल्म तेजाब के बाद माधुरी हिंदी सिनेमा का एक जाना माना नाम बन गईं। जिन्हें हर डायरेक्टर अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहता था।

हम आपके हैं कौन के लिए ली थी सलमान से ज्यादा फीस

माधुरी एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने अपने करियर में लगभग बॉलीवुड के सभी सुपरस्टार के साथ काम किया है। उन्होंने तीनों खान के साथ न सिर्फ काम किया है बल्कि कुछ फिल्मों में उनसे ज्यादा फीस भी ली है। बॉलीवुड की सक्सेलफुल फिल्म हम आपके हैं कौन में माधुरी ने सलमान खान से ज्यादा फीस ली थी। इस फिल्म के लिए उन्हें 2.7 करोड़ दिए गए थे। माधुरी अपने जमाने की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

माधुरी की खूबसूरती देख फ्री में काम करने के लिए तैयार हो गए थे शेखर सुमन

शेखर सुमन को एक बार निर्देशक सुदर्शन रतन

का फोन आया। उन्होंने शेखर से कहा- फिल्म प्लान कर रहा हूं, नाम 'मानव हत्या' है। हीरोइन के बारे में बताया कि नई लड़की है। उसने राजश्री के साथ एक फिल्म 'अबोध' की है। शेखर ने मेहनताने के बारे में पूछा, तब सुदर्शन ने कहा कि पैसे नहीं दे पाऊंगा। शेखर ने कहा- पैसे देंगे नहीं, हीरोइन भी जमी जमाई नहीं है, तब कैसे करूंगा! खैर, उनकी रिक्वेस्ट पर शेखर तैयार हो गए। वो शेखर को मुंबई के जेबी नगर में मौजूद एक छोटे-से घर में ले गए। सुदर्शन ने शेखर से कहा 'हीरोइन अभी दो मिनट में आती है। अंदर से माधुरी निकली। इसके बाद सुदर्शन ने शेखर से पूछा 'काम करोगे?' शेखर ने कहा- 'खूबसूरत है, दौड़ते हुए काम करूंगा।

इस फिल्म के बाद शेखर और माधुरी की अच्छी दोस्ती हो गई थी। माधुरी के पास सेट पर जाने के लिए कोई साधन नहीं था और वो बस से सेट पर जाया करतीं थीं। लेकिन दोनों की दोस्ती के बाद शेखर अपने स्कूटर से माधुरी को सेट पर ले जाया करते थे।

संजय दत्त के साथ सुर्खियों में रहा रिश्ता

90 के दशक में संजय और माधुरी बॉलीवुड की हिट फिल्मों की ग्यारंटी माने जाते थे। दोनों ने थानेदार, खतरों के खिलाड़ी, महानता जैसी फिल्मों में साथ काम किया था। इन फिल्मों के दौरान दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई थी लेकिन 1991 में आई फिल्म साजन के दौरान दोनों के बीत नजदीकियां बढ़ गईं। जिसके बाद फिल्म खलनायक की शूटिंग के दौरान दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। हालांकि उस समय संजय दत्त शादीशुदा थे और इस शादी से उनकी एक बेटी भी थी। जब इस रिश्ते के बारे में माधुरी के घरवालों को पता चला तो उन्होंने माधुरी को संजय से मिलने से मना कर दिया लेकिन माधुरी संजय दत्त के लिए अपने घरवालों से बगावत करने को भी तैयार थीं। दोनों एक दूसरे से शादी करने की तैयारी भी कर चुके थे। लेकिन 1994 में हुए बम ब्लास्ट में संजय दत्त का नाम आने से इस दोनों का रिश्ता खत्म हो गया। इसके बाद संजय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इस ब्लास्ट में कई लोगों की जान चली गई थी। जिसके बाद माधुरी ने संजय की ओर कभी मुड़कर नहीं देखा और उनसे सारे रिश्ते खत्म कर लिए। संजय ने माधुरी से कई बार कॉन्टेक्ट करने की कोशिश भी की लेकिन माधुरी ने कभी उनसे बात नहीं की। हालांकि दोनों की जोड़ी 26 साल बाद 2019 में आई फिल्म कलंक में साथ नजर आई थी। फिल्म तो फ्लॉप रही पर दोनों के फैंस के लिए संजय और माधुरी को एकसाथ देखना काफी अच्छा था।

संजय दत्त से रिश्ता टूटने के बाद की शादी

संजय दत्त से दूर होने के बाद माधुरी पूरी तरह टूट चुकीं थीं। ऐसे में वो अपने करियर में किसी भी तरह आगे बढ़ना चाहती थीं। इसलिए परिवार की पसंद से जब उनका फिल्मी करियर कामयाबी पर था तब उन्होंने अमेरिका में रह रहे कॉर्डियोवसक्युलर सर्जन डॉ श्रीराम नेने से 1999 में शादी कर ली। शादी के बाद माधुरी अमेरिका में जाकर रहने लगीं थीं। श्रीराम नेने से माधुरी के दो बच्चे हैं। हालांकि 10 सालों तक अपने देश से दूर रहने के बाद 2011 में माधुरी ने अपने परिवार के साथ भारत में शिफ्ट हो गईं।

एम एफ हुसैन ने माधुरी के लिए हम आपके हैं कौन 67 बार देखी

माधुरी कई दिलों पर राज करतीं हैं लेकिन उनके सबसे बड़े फैन होने का दावा मशहूर पैंटर एमएफ हुसैन किया करते थे। एम एफहुसैन माधुरी की खूबसूरती के दीवाने थे। उन्होंने माधुरी की कई पेंटीग्स भी बनाई थी। यहां तक की उन्होंने एक बार बताया था कि उन्होंने माधुरी स्टारर फिल्म 'हम आपके हैं कौन' 67 बार देखी है। एमएफहुसैन माधुरी के इतने कायल थे कि उनकी हर फिल्म थिएटर में देखने जाते थे।

पाकिस्तानियों ने माधुरी के लिए कश्मीर छोड़ने की कही बात

माधुरी के देश के साथ विदेशों में भी काफी फैन फॉलोइंग है। पाकिस्तान में भी माधुरी की कम दीवानगी नहीं है। Radiomirchi.com की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कारगिल युद्ध के दौरान, पाकिस्तान ने ताना मारा था, अगर भारतीय उन्हें माधुरी दीक्षित देते हैं तो हम कश्मीर छोड़ देंगे। इसके जवाब में भारतीय सेना ने ताना मारते हुए कहा, क्या तुम्हें माधुरी से प्यार है!!

सबसे ज्यादा फिल्मफेयर नॉमिनेशन पाने वाली एक्ट्रेस

माधुरी को अब तक 6 फिल्मफेयर अवॉर्ड दिए जा चुके हैं। साथ ही माधुरी का नाम सबसे ज्यादा बार फिल्मफेयर के नॉमिनेशन में रखा गया है। माधुरी के नाम 13 बार फिल्मफेयर नॉमिनेशन का रिकॉर्ड है। वहीं भारत सरकार द्वारा 2008 में माधुरी को पद्मश्री से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सिनेमाघरों में यश के दबदबे से फीकी पड़ी जयेशभाई की चमक जानें इस शनिवार कैसा रहा बॉक्स ऑफिस का रिपोर्ट कार्ड

बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नजरिए से हफ्ते का आखिर हमेशा से ही महत्वपूर्ण रहा है। वीकेंड हमेशा ही थिएटर्स तक भीड़ लाने में कामयाब रहा है। लेकिन इस बार सिनेमाघरों में लगी फिल्मों के लिए शनिवार का दिन कुछ खास नहीं रहा है। बॉलीवुड के सुपरस्टार कहे जाने वाले अभिनेता रणवीर सिंह की हालिया रिलीज्ड फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' अपने दूसरे दिन भी फीकी रही। लेकिन इसका भरपूर फायदा साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म 'केजीएफचैप्टर 2' को मिला, जिसे सिनेमाघरों में लगे हुए एक महीने से भी ज्यादा हो गया है। फिल्म ने शनिवार को भी शानदार कारोबार किया है, जिसका नतीजा यह हुआ की स्क्रीन्स पर लगी बाकी फिल्मों की चमक फीकी पड़ गई है। शनिवार को सिनेमाघरों में सिर्फ यश को हॉलीवुड फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफमैडनेस' टक्कर देने में कामयाब रही, जो रिलीज के नौ दिन बाद भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

जयेशभाई जोरदार

हिंदी सिनेमा के बेहतरीन हीरो में से एक रणवीर सिंह की फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' सिनेमाघरों में दर्शकों को खींचने में नाकाम रही। फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन में पहले दिन के मुकाबले मामूली सुधार देखने को मिला है। दिव्यांग ठक्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने अपने पहले दिन चार करोड़ से भी कम कारोबार किया था, जिसके बाद फिल्म से जुड़े लोग इसकी खराब परफॉर्मेंस के पीछे की वजह समझने की कोशिश में लगे हैं। फिल्म ने जहां अपने पहले दिन 3.25 करोड़ कमाए थे, वहीं दूसरे दिन 'जयेशभाई जोरदार' ने 3.80 करोड़ का कारोबार किया है।

सरकारु वारी पाटा

हाल ही में बॉलीवुड को लेकर दिए गए अपने बयान को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले साउथ सुपरस्टार महेश बाबू, अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म 'सरकारु वारी पाटा' गुरुवार को रिलीज हुई थी, जिसके बाद इसने दो दिन में 63.9 करोड़ रुपये कमाए थे। शुक्रवार को 16.50 करोड़ रुपये कमाने के बाद सुस्त पड़ी फिल्म 'सरकारु वारी पाटा'की शनिवार की कमाई में भारी उछाल देखने को मिला। फिल्म ने शनिवार को पूरे देश में 27.21 करोड़ रुपये की कमाई की है।

डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस

मार्वल स्टूडियोज की फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' अपनी रिलीज के नौ दिन बाद भी सिनेमाघरों में लोगों को खींचने में कामयाब रही है। बेनेडिक्ट कंबरबैच और एलिजाबेथ ओल्सन स्टारर इस फिल्म ने अपने शुरुआती दिनों में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। फिल्म भारत में भी मार्वल फैंस को उत्साहित करने में कामयाब रही थी। शुक्रवार को फिल्म की कमाई में देखने को मिली गिरावट के बाद शनिवार को 'डॉक्टर स्ट्रेंज 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 5 करोड़ रुपये कमाने में कामयाब रही।

केजीएफः चैप्टर 2

साउथ vs बॉलीवुड सिनेमा के बीच चलती जंग में रणवीर सिंह की फिल्म को मिल रहे रिस्पॉन्स का एक बार फिर दक्षिण को फायदा मिला है। सिनेमाघरों में एक महीना पूरे करने के बाद भी यश स्टारर फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो रही फिल्मों को टक्कर दे रही है। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने शनिवार को 4 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें 2.30 करोड़ रुपये का योगदान हिंदी बेल्ट ने दिया है।

'पृथ्वीराज' के लिए दिल्ली, कन्नौज और राजस्थान के महल रिक्रिएट

कोरोना काल के बाद से सिनेमाघरों में बड़े बजट की फिल्मों की डिमांड बढ़ती दिखाई दे रही है। तभी मेकर्स हिस्टोरिकल और पीरियड फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं। अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'पृथ्वीराज' भी उसी जोन की है। मेकर्स ने इसे विजुअली बड़ा बनाने की गरज से इसके वॉर सीक्वेंसेज को राजस्थान के लाइव लोकेशनों पर तो 300 से 400 जूनियर आर्टिस्टों को बतौर सिपाही हाथी-घोड़ों के साथ शूट किया है। उन सबके हथियारों को ही स्टॉक करने और अलग लोकेशनों पर ले जाने में 19 ट्रक यूज होते थे। साथ ही तब के दिल्ली, राजस्थान और कन्नौज के आलीशान महल, दरबार, बाजार क्रिएट करने में मेकर्स के 35 करोड़ खर्च हुए हैं। फिल्म के प्रोडक्शन डिजाइनर अमित रे और सुब्रत चक्रवर्ती ने पृथ्वीराज के जहान के निर्माण की कहानी शेयर की है।

वॉर सीक्वेंसेज 10 से 12 दिनों तक शूट किए गए

अमित रे ने कहा, फिल्म में ज्यादातर लाइव लोकेशन राजस्थान के हैं। वहां वॉर सीक्वेंसेज 10 से 12 दिनों तक शूट किए गए थे। बाकी ज्यादातर शूटिंग मुंबई के विभिन्न इलाकों में महलों, दरबार और बाजार के बने सेट पर हुई है। वहीं के बोरिवली के सिंटे ग्राउंड में दिल्ली, राजस्थान और कन्नौज क्रिएट किया गया। वह इसलिए कि कहानी उन तीनों सल्तनत में ट्रैवेल करती है। तीनों सल्तनत के राजाओं के महलों के लिए डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेद्वी ने तीन अलग कलर पैलेट यूज करने को कहा था। दिल्ली के महलों के लिए लाल, राजस्थान के लिए पीला और कन्नौज को डेपिक्ट करने के लिए उजला कलर इस्तेमाल किया गया।

पृथ्वीराज में शेर से भिड़ंत करते दिखेंगे अक्षय

अक्षय कुमार यहां 'सूर्यवंशी' और 'बेलबॉटम' के बाद एक बार फिर हार्डकोर एक्शन करते नजर आएंगे। फिल्म में एक फाइटिंग एरिना है। वहां बतौर पृथ्वीराज वह शेर से भिड़ंत करते दिखेंगे। अमित रे आगे बताते हैं, उस सीन में शेर असली ही है। वीएफएक्स से शेर क्रिएट नहीं किया गया। उसके बजाय क्रू मेंबर्स अफ्रीका गए। वहां प्रशिक्षित शेरों पर मनवांछित एंगल में क्रोमा के अगेंस्ट शूट कर आ गए। फायदा यह रहा कि अफ्रीका में टेक्निशियनों की बड़ी फौज नहीं ले जानी पड़ी। कैमरामैन मानुष नंद और उनके चार पांच असिस्टेंट ही वहां गए। ट्रेंड लायन के सामने क्रोमा रखा और उसके जंप के अलग अलग एंगल शूट कर आ गए। यहां मुंबई आकर हीरो पर क्रोमा प्लेसमेंट कर दिया।

वॉर सीक्वेंसेज राजस्थान में ही फिल्माए गए दरअसल, मानुष नंदन ही 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' के भी डीओपी थे। तब वहां उस पर वीएफएक्स बहुत था।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हरे कृष्णा S.S.D हरे रामा
firstcare of Kids
Rajendra Choithramani
Mob. 9111830803
न्यू नन्हे उस्ताद
Kids Wear
Specialist of all Kinds of Kid's Wear, Cosmetics, Toys & Many More...
हमारे प्रतिष्ठान में अनुभवी कर्मचारियों की आवश्यकता है
पता : मढ़रिया कामप्लेक्स के सामने, आदर्श नगर, दुर्ग (छ.ग.)

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI th XII th B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

कलश ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषण के निर्माता एवं विक्रेता
हमारे यहां उचित ब्याज पर गिरवी रखी जाती है।
देवांगन होटल के बाजू में, मुक्तिधाम रोड, रामनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग
9074621825

भोलू मोबाईल रिपेयरिंग एवं साफ्टवेयर
सभी प्रकार के मोबाईल रिपेयरिंग किया जाता है
(All IC Work)
मो. - 87199 99358
9131918132
शॉप नं.-148, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

निवारण शिविर में अतिसंवेदनशील क्षेत्र के लोगों को बांटा गया वन अधिकार मान्यता पत्र

जगदलपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार की मंशानुरूप सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत् नगरनार क्लस्टर में युवा मंडई व जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संसदीय सचिव व जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन शामिल हुए। शिविर में नगरनार क्लस्टर क्षेत्र के नगरनार, कस्तुरी,धनपुंजी,चोकावाड़ा व भेजापदर क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे जिनकों मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में जानकारी दी गई। इस दौरान धनपुंजी व माचकोट ग्राम के वनवासियों को क्रमश:85व 49 वनाधिकार पत्र दिया गया।

प्रयास आवासीय विद्यालय के 12वीं का परिणाम शत -प्रतिशत

कोरबा। कक्षा 12वीं के बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं जिसमें जिले के प्रयास आवासीय विद्यालय 12वीं के छात्रों ने शत-प्रतिशत सफ्लता अर्जित की है। सत्र 2021-22 में कक्षा 12वीं में 104 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर जिले के साथ-साथ संस्था का गौरव बढ़ाया है। संस्था की छात्रा शालू गुप्ता पिता मनीष गुप्ता ने 90.60 प्रतिशत अंक हासिल कर संस्था में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बालोद जिले की कुमरकट्टा निवासी शालू की माँ मजदूरी का काम करती है शालू ने बताया कि वह भविष्य में डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहती हैं। इसी प्रकार हसीना रावटे पिता कुमर राज रावटे ने 90 प्रतिशत अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। विकासखंड के गांव अड़जाल की निवासी हसीना के पिता पेशे से किसान हैं।

समाज की मजबूती के लिए एकजुटता जरूरी है - मो. अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन, परिवहन, आवास एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर से उनके राजधानी स्थित निवास कार्यालय में मरार (पटेल) समाज के कबीरधाम जिला इकाई के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल में पटेल समाज के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष भगवान सिंह पटेल सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

कबीरधाम जिला अध्यक्ष भगवान सिंह पटेल ने मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा पटेल समाज के हित में किए जा रहे कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया। वन मंत्री ने भगवान सिंह पटेल को जिला अध्यक्ष निर्वाचित होने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वन मंत्री ने जिला अध्यक्ष को पटेल समाज की मजबूती के लिए समाज के सभी लोगों को साथ लेकर चलने कहा। मोहम्मद अकबर ने पटेल समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि पटेल समाज मेहनतकश समाज है, जो कि दिन-रात एक कर अपना पसीना बहाते हुए शाक-सब्जी व अन्य फसलों का उत्पादन करता है। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के समक्ष अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि आज पटेल समाज राजनैतिक रूप से जागरूक समाज है। पटेल समाज के लोग आज छत्तीसगढ़ शासन के अलग-अलग इकाई में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पटेल समाज के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह पटेल ने मंत्री मोहम्मद अकबर को भरोसा दिलाया कि वे समाज के सभी लोगों को विश्वास में लेते हुए समाज के हित में सदैव सक्रिय रहेंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि वे भविष्य में पटेल समाज को नई-नई सौगात देते रहेंगे। पटेल समाज के प्रतिनिधि मंडल में सर्व हरि पटेल सदस्य छत्तीसगढ़ शाकंभरी बोर्ड, राजू पटेल जिला इकाई सचिव, तुलसी पटेल जिला प्रवक्ता, राम चरण कुसरो, कैलाश पटेल, रामअवतार पटेल, लेखराम पंचेश्वर, विश्वनाथ पटेल आदि शामिल थे।

समर कैंप में शामिल होकर कलेक्टर ने बच्चों को खेलाया खेल

जिलें के 70 स्कूलों में हो रहा है समर कैंप का आयोजन, बच्चे हो रहें है लाभांवित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर डोमन सिंह आज बलौदाबाजार विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम डोटोपार के प्राथमिक शाला में आयोजित हो रहें समर कैंप में सम्मलित हुए। उन्होंने ना केवल बच्चों को सिखाएं जा रहे एक्टिविटी को देखा बल्कि खुद उन्होंने बच्चों को खेल खिलाकर उनका उत्साह वर्धन किया। कलेक्टर को अपने बीच पाकर बच्चें व शिक्षक काफी उत्साहित हुए। कलेक्टर डोमन सिंह ने विस्तार से बच्चों से समर कैम्प में होने वाली गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान उन्होंने ने कहा कि समर कैम्प के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर छात्र-छात्राओं द्वारा ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग किया जा रहा है। बच्चों की झिझक दूर होती है। उनमें सहयोग एवं सद्भावना तथा क्रियाशीलता की भावना उत्पन्न होती है।

उन्होंने समर कैम्प के सफल आयोजन के लिए शिक्षिकाओ को बधाई देते हुये उनसे और अच्छा नवाचार अपनाने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि जो शिक्षक समर कैम्प में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहें है उनसे वे व्यक्तिगत चाय पर मुलाकात करेंगे तथा उन्हें आने वाले समय में सम्मानित भी किया जावेगा।

इस मौके पर शिक्षिका श्रीमती योगेश्वरी साहू ने कहा कि अगर इस समर कैम्प में बच्चों के पालक भी शामिल हो जाये तो सोने पे सुहागा हो जायेगा और हम पालकों के उपस्थिति के लिये प्रयासरत है तथा उम्मीद है कि वे भी आने वाले दिनों में शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करेंगे। अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सदस्यों का भी इस समर कैम्प में अच्छा सहयोग प्राप्त हो रहा है।

गौरतलब है कि कलेक्टर डोमन सिंह की अपील पर जिला के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में शिक्षकों और बच्चों के स्वेच्छा से समर कैम्प का आयोजन प्रात: काल किया जा रहा है।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जिले के शासकीय विद्यालयों में स्वेच्छा से शिक्षकों से यह अपील करने को कहा कि बिना किसी दबाव के शिक्षक व छात्र-छात्राएं प्रात: 8 से 10 बजे के बीच ग्रीष्मावकाश में विद्यालय परिसर में अपनी इच्छानुसार सप्ताह में 03 दिन समर कैम्प का आयोजन करें। जिसके अंतर्गत ड्राइंग, पेन्टिग, चित्रकला, संगीत,नृत्य, गीत, खेल व योगा जैसे कार्यक्रम में बच्चें अपनी सहभागिता अपनी स्वेच्छा से सुनिश्चित करे। कलेक्टर की अपील पर जिला शिक्षा अधिकारी सी.एस.ध्रुव की तरफ से इस हेतु पत्र व सहभागिता हेतु लिंक जारी किया गया। उनके अपील पर विकासखंड बलौदाबाजार के 20 शिक्षक,भाटापारा के 5, बिलाईगढ़ के 23, कसडोल के 6, पलारी के 9 और सिमगा के 22 शिक्षकों कुल 85 शिक्षकों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की तथा समर कैम्प का आयोजन प्रारंभ हो गया। वर्तमान में जिलें के 70 स्कूलों में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा। जिसमे 1हजार 112 बच्चे शामिल हो रहे है। जिसके तहत विकासखंड बलौदाबाजार में 17 स्कूलो में 265 बच्चे,भाटापारा में 5 स्कूलों में 95 बच्चे,बिलाईगढ़ में 18 स्कूलों में 252 बच्चे,कसडोल में 5 स्कूलों में 85 बच्चे,पलारी के 8 स्कूलों में 152 बच्चे एवं सिमगा के 17 स्कूलों में 263 बच्चे शामिल हो रहे है। इस मौके पर जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा आर सोमेश्वर राव,जिला खनिज अधिकारी एम चन्द्रशेखर भी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत 06 बालक बालिकाओ को बरामद करने में पुलिस को मिली सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चाम्पा। 13 मई 22 से जांजगीर चाम्पा पुलिस द्वारा जिले में गुम हुये बालक बालिकाओ को बरामद करने के लिये ऑपरेशन मुस्कान अभियान प्रारम्भ किया गया है। ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत जिले के सभी थानों/चौकी मे दर्ज बालको के प्रकरणों का निराकरण करने विशेष टीम तैयार किया गया है जो राज्य के अलावा दीगर राज्य जाकर बालको को बरामद करने की कार्यवाही करना निर्धारित किया गया था। अभियान के तहत विगत 02 दिन में थाना सक्ती क्षेत्र में गुम हुये 03 प्रकरण, थाना नवागढ़ व अकलतरा के 01-01 प्रकरण तथा चौकी नैला से 01 प्रकरण के नबालिक बालको को बरामद किया गया। गुम बालको को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुम बालको को बरामद करने से परिजनों ने अपने बच्चो के देखकर पुलिस को आभार व्यक्त किये। जिले के गुम बालको के सकुशल घर वापसी के लिए ऑपरेशन मुस्कान अभियान की कार्यवाही निरंतर जारी रखा जाएगा। उक्त कार्यवाही अतरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पद्मश्री तंवर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) चाम्पा के नेतृत्व में निरीक्षक सुनीता नाग बंजारे,थाना सक्ती,अकलतरा, नवागढ़,चौकी नैला तथा सायबर सेल के अधिकारी कर्मचारियों में विशेष योगदान रहा।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में महिला सेल के अधिकारियों व सीसीटीएनएस कर्मचारियो की ली गई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले में पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में महिला विरुद्ध घटित अपराध अनुसंधान इकाई, परिवार परामर्श केंद्र तथा थानों में पदस्थ सीसीटीएनएस के अधिकारियों /कर्मचारियों की बैठक ली गई। बैठक में महिलाओ के ऊपर हो रहे अपराधों पर त्वरित कार्यवाही करने तथा पारिवारिक मामलों को निराकरण करने परिवार परामर्श केंद्र को निर्देश दिया गया। बैठक में नाबालिक बालक बालिकाओ के अपहरण के मामलों का निराकरण हेतु जिले में विशेष टीम तैयार करते हुए ऑपरेशन मुस्कान अभियान चलाने निर्देशित किया गया। पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा महिलाओं की सुरक्षा पर तैयार किये अभिव्यक्ति एप को अधिक से अधिक महिलाओ के मोबाइल में इंस्टाल करवाने निर्देश दिया गया। थानों में कार्यरत सीसीटीएनएस कर्मचारियों को थानों में दर्ज सभी प्रकरणों को अपडेट करने संबंधी निर्देश दिया गया। बैठक में उपस्थित सीसीटीएनएस कर्मचारियों को पुराने प्रकरणों को जल्द से जल्द पोर्टल में अपडेट करने निर्देशित किया।

बदलता दन्तेवाड़ा : बेरोजगारी की लकीर मिटा हौसले से खुशहाली की राह पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

चलकर दीदीयों ने बदली अपनी तकदीर, ईंट से ईंट जोड़कर हौसले की नई बुलंदियों छू रही

दंतेवाड़ा। जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर विकासखण्ड कुआकोण्डा से 25 किमी. की दूरी पर वनाच्छादित क्षेत्र में ग्राम समेली स्थित है। चारो तरफसे पहाड़ियों से घिरा बेहद ही खूबसूरत ग्राम है।

ग्राम समेली में मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना अनुरूप गौठान निर्माण किया गया है। उक्त गौठान में विभिन्न प्रकार के आजीविका संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही है। जिसमें से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के मोंगरा स्व-सहायता समूह की दीदीयों द्वारा सीमेंट के बड़ी ईंटो का निर्माण किया जा रहा है। गौठान में ही कई प्रकार के निर्माण कार्य हो रहे है।

जिसमें ईंट बाहर से लाई जा रही थी।

यह दीदीयों का हौसला ही है कि मात्र एक माह के भीतर बिना किसी मशीन के हस्त निर्मित सांचे से 6 हजार से अधिक पुल साईज के ईंटो का निर्माण किया है। और निर्माण कार्य अभी भी जारी है।

अब तक 37 हजार की हो चुकी है आय

स्व-सहायता की समूह की दीदीयों द्वारा 29 सौ ईंटो का बिक्री भी किया जा चुका है। जिसे दीदीयों ने 23 रूपये प्रति नग की दर से विक्रय कर 66 हजार 700 रुपए की कमाई की है। प्रत्येक ईंट में 12 से 13 रूपये तक की बचत आती है। जिसमें दीदीयों को 37 हजार 700 रूपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है। प्राप्त लाभ और अपनी मेहनत का इतना सफल परिणाम देख समूह की दीदियों में उत्साह और बढ़ गया है। दीदीयों को वर्तमान में 6 हजार ईंटो का आर्डर 25 रूपये प्रति नग की हिसाब से प्राप्त हुआ है। जिससे इन्हें 90 हजार रूपये शुद्ध लाभ के रूप में प्राप्त होगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउन्सिल ने फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों से पंजीयन के नवीनीकरण की अपील की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल ने फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों से पंजीयन का नवीनीकरण कराने की अपील की है। काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. कांत राजिमवाले द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउन्सिल रायपुर के 6 सदस्यों का निर्वाचन निकट भविष्य में किया जाना सम्भावित है। इसलिए ऐसे सभी फार्मासिस्ट पंजीयन धारक जिनके प्रमाण पत्र का नवीनीकरण 31 दिसम्बर 2021 या उसके पूर्व के वर्ष में समाप्त हो गया है, वे अपने पंजीयन का नवीनीकरण अतिशीघ्र या 30 जून 2022 तक आवश्यक रूप से करवा लें जिससे उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किया जा सके। इसके बिना निर्वाचन के लिए मतदाता सूची में नाम नहीं जोड़ा जाएगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउन्सिल ने फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों से अपील की है कि निर्वाचन सहित आवश्यक सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए पूर्व में दिये गये पते, मोबाइल नम्बर, ई-मेल या हस्ताक्षर में किसी प्रकार का परिवर्तन हो गया हो, या नाम, पिता के नाम में किसी भी प्रकार की त्रुटि हो तो इसकी जानकारी आवश्यक दस्तावेजों (एड्रेस प्रूफ) के साथ 30 जून 2022 के पूर्व रजिस्ट्रार कार्यालय को प्रेषित करें।

काउन्सिल ने ऐसे सभी फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों के परिजनों से आग्रह किया है कि जिन फार्मासिस्ट पंजीयन धारकों का निधन इस सूचना के जारी होने के पूर्व हो चुका है, वे मृत फार्मासिस्ट पंजीयन धारक की जानकारी आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय को प्रेषित करें।

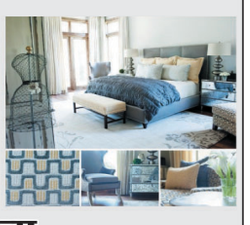
अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri,
Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7
Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI,
Oppo, Vivo, Nokia, HTC,
Blue tooth Charger,
Power Bank, Ear Phone,
BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

महुआ शराब के साथ गिरफ्तार युवक की जेल में मौत

बिलासपुर (ए)। पचपेड़ी क्षेत्र में रहने वाले 33 वर्षीय युवक को आबकारी अमले ने 20 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। अमले ने न्यायालय के आदेश पर उसे जेल दाखिल कर दिया। घटना के चार दिन बाद ही युवक की जेल में तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। यहां युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना पर स्वजन ने आबकारी अमले पर मारपीट का आरोप लगाया है। इसकी शिकायत पचपेड़ी थाने में भी की गई है। आबकारी अमले ने सोमवार को पचपेड़ी क्षेत्र के चिल्हाटी में छोटेलाल यादव(33) के घर दबिश देकर 20 लीटर महुआ शराब जब्त की थी। मामले में अमले ने आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपित को जेल भेज दिया गया। जेल में आरोपित की तबीयत बिगड़ने लगी। उसका जेल में ही उपचार किया जा रहा था। तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उसे सिम्स भेज दिया गया। शुक्रवार की शाम उसे सिम्स में भर्ती कर उपचार किया जा रहा था। शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पर सिविल लाइन पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। इसकी रिपोर्ट से आरोपित के मौत का कारण स्पष्ट होगा। इधर घटना की सूचना पर मृतक के बड़े भाई दिलहरण ने आबकारी अधिकारी आनंद वर्मा और आबकारी अमले पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत पचपेड़ी थाने में की है।

भोजन के दौरान कपड़े पर पानी गिरने से मार दिया चाकू

बिलासपुर (ए)। पुलिस लाइन में उर्स के दौरान लंगर में भोजन के दौरान पानी गिरने पर युवकों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान एक युवक ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में घायल ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। तालापारा के मरीमाई रोड में रहने वाले मोहम्मद वसीम एसी मैकेनिक हैं। शुक्रवार की रात वे पुलिस लाइन में चल रहे उर्स में लंगर में भोजन करने गए थे। रात 11.45 बजे भोजन के दौरान वसीम के भाई से पानी गिर गया। पानी मसानगंज में रहने वाले सोफियान के उपर गिरा। इस पर सोफियान और अल्फाज के बीच विवाद होने लगा। विवाद के दौरान सोफियान के साथी बाबू ने अल्फाज को चाकू मार दिया। इस दौरान वसीम और उसके साथियों ने बीच-बचाव किया। मारपीट से घायल को अस्पताल पहुंचाने के बाद वसीम ने घटना की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बाइक की टक्कर से पति गंभीर, पत्नी को आई चोटें

बिलासपुर (ए)। सरकंडा के कपिल नगर में मोटरसाइकिल सवार दंपती को बाइक के चालक ने टक्कर मार दी। इससे मोटरसाइकिल सवार पति को गंभीर चोटे आई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, उनकी पत्नी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। सकरी क्षेत्र के शांति नगर हाफा रोड में रहने वाली प्रीति कोरी गृहणी हैं। 10 मई की दोपहर वे रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए सरकंडा आ रहे थे। कपिल नगर मंगलम भवन के सामने उनकी बाइक को सामने से आ रहे मोटरसाइकिल के चालक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में प्रीति के पति अभिषेक को गंभीर चोटे आई। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, प्रीति को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। प्रीति ने मामले की शिकायत सरकंडा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

प्रधान आरक्षक की कार को मारी टक्कर

बिलासपुर (ए)। जगदलपुर के ग्राम लामनी में रहने वाले राजूप्रकाश टोप्पो पुलिस विभाग में प्रधान आरक्षक हैं। वे बस्तर जिले के लोहड़ीगुड़ा थाने में पदस्थ हैं। शुक्रवार की शाम वे बलौदाबाजार से अपने साथी अनुरंजन पन्ना के साथ खरीदारी के लिए बिलासपुर आए थे। शाम 4.30 बजे वे अग्रसेन चौक के पास पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी कार को बोलेने के चालक ने टक्कर मार दी। प्रधान आरक्षक ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बिलासपुर में बेटे ने मां को मार डाला

सोशल एक्टिविस्ट का मुंह तकिए से दबाया, बोला- नशे के लिए पैसे नहीं दिए

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में नशा करने के लिए पैसे नहीं देने पर नशेड़ी बेटे ने अपनी मां की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पहले वह पुलिस को गुमराह करता रहा। बाद में उसने अपनी मां को धक्का देकर गिराने और मुंह में तकिया दबाकर हत्या करने की जानकारी दी। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

जरहाभाठा मिनी माता नगर निवासी बिन्दा बाई बंजारे (65) पति मानिक बंजारे महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष थी। वह घर में अकेले रहती थी। शनिवार को जब वह काफी देर तक घर से बाहर नहीं निकली, तो पड़ोसियों ने जाकर देखा। घर में बिस्तर पर उनका शव पड़ा हुआ था।

रात में बेटे से हुआ था विवाद

पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जांच में शरीर और गले पर निशान मिले। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। पड़ोसियों ने बताया कि रात में उनके घर के भीतर से आवाज आ रही थी। बिंदा बाई का बेटा अजय बंजारे (35) आया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और संदेही बेटे की तलाश में जुट गई।

बोला-पैसा नहीं दिया, तो मार डाला

पुलिस ने अंजय बंजारे के बारे में पूछताछ की, तब पता चला कि वह अपनी मां के घर से कुछ दूर पत्नी व बच्चों के साथ रहता है। पुलिस ने उसके घर में दबिश दी और पकड़कर थाने ले आई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि मां ने नशा करने के लिए पैसे देने से मना कर दिया था। इस पर उसने धक्का देकर गिरा दिया। फिर मुंह को तकिए से दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी अजय को गिरफ्तार कर लिया है।

मां ने लिखाई थी रिपोर्ट, इससे भी नाराज था बेटा

इससे पहले भी बिंदा बाई ने अपने बेटे अजय के खिलाफमारपीट की शिकायत की थी। पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई भी की थी। कई बार सिविल लाइन थाने में शिकायत करने के बाद भी उसकी आदतों में सुधार नहीं हुआ। अपनी मां के द्वारा बार-बार शिकायत करने से भी वह नाराज रहता था।

मिनीमाता बस्ती बचाओ संघर्ष समिति में भी सक्रिय

महिला बिंदा बाई 12 साल से महिला स्व सहायता समूह से जुड़ी हुई थी। वह पापड़ बनाकर बेचती थी और समूह की अध्यक्ष भी थी। इसके साथ ही वह मिनीमाता बस्ती बचाओ संघर्ष समिति में भी सक्रिय थीं। उन्होंने आम आदमी पार्टी ज्वाइन कर ली थी। बीते दिनों नशे के खिलाफसिविल लाइन थाने का घेराव होने पर वह सक्रियता से भाग लेने पहुंची थीं।

बोलेरो की टक्कर से मां बेटे समेत 4 घायल, रेफर

बालोद (ए)। मुख्य मार्ग भरदाकला के पास पिकअप बोलेरो वाहन की टक्कर से चार लोग घायल हो गए। जिसमें बाइक में तीन लोग और साइकिल में एक सवार था।

ग्राम देवकट्टा निवासी पुष्पेंद्र सेन ने बताया कि शुक्रवार को एक बाइक में मैं और मां हेमिनबाई सेन और दूसरी बाइक में पड़ोसी गोलू कुमार अपनी मां गुलापा बाई के साथ चीचा भिलाई में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। पहचान का एक व्यक्ति मिलने की वजह से दोपहर 1.30 बजे भरदाकला मुख्य मार्ग पर ईश्वर धनकर के होटल के सामने खड़े थे।

इसी दौरान अर्जुन्दा से राजनांदगांव की ओर जा रही बोलेरो के चालक ने गलत साइड में गाड़ी चलाकर सड़क किनारे खड़े बाइक चालक गोलू व उसकी मां गुलापा बाई और बाइक चालक गणेश निर्मलकर व साइकिल चालक विकास यादव को टक्कर मारकर चोट पहुंचाया है। घायल गोलू, गुलापा बाई व गणेश निर्मलकर को शासकीय 108 एंबुलेंस के माध्यम से राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। घटना में दो बाइक एवं एक साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई है। पुष्पेंद्र सेन की रिपोर्ट पर अर्जुन्दा थाने में बोलेरो चालक के खिलाफ धारा 279, 337 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

लुटेरे सक्रिय: पिछले चार महीने में 30 से ज्यादा लूट की वारदात हुई, 60 फीसदी केस में नहीं पकड़े गए कोई आरोपी

रायपुर (ए)। वीआईपी रोड में कैफे जा रही दो युवतियों से गुरुवार रात 10 बजे लूट हो गई। दो लुटेरों ने दोनों युवतियों को रोक दिया और पिस्टल तान दिया। एक युवती मोपेड छोड़कर होटल में भाग गई। दूसरे को लुटेरों को पकड़ लिया। उसका एप्पल का हैंडसेट और मोपेड लूट लिए। कुछ दूरी पर मोपेड को छोड़कर मोबाइल लेकर भाग निकल।

वह मोबाइल 7 किलोमीटर दूर डूमरतराई सब्जी बाजार के पास मिल गया है। हालांकि की दोनों लुटेरों का क्लू मिल नहीं पाया है। राजधानी में पिछले 4 महीने में 30 से ज्यादा लूट की घटनाएं हुई है। इसमें सिर्फ 40 फीसदी मामलों में ही पुलिस को सफलता मिल पाई है। बाकी मामलों की जांच चल रही है। हालांकि पिछले तीन साल 225 से ज्यादा लूट हुई है। पुलिस को 84 फीसदी मामलों में सफलता मिली है। पुलिस ने कई मामलों में लुटेरे नहीं मिलने पर केस को खत्म कर दिया है। पुलिस ने बताया कि मोबाइल लूट की घटनाएं बढ़ी है। इसकी जांच भी लंबी चलती है। पुलिस को सफलता भी मिलती है। मोबाइल लूट में 8-9 महीने लग जाते हैं। क्योंकि लुटेरे कई महीने तक मोबाइल को बंद रखते है। इसलिए समय लगता है।

घड़ी चौक पर लूट

शहर के बीच घड़ी चौक के पास 10 मई को ड्यूटी से पैदल लौट रही प्रियंका जगत से लूट हो गई। बाइक में दो लुटेरे आए और झपट्टा मारकर मोबाइल लूटकर भाग निकले। लुटेरे अब तक पकड़े नहीं गए हैं।

देवेंद्र नगर में चेन झपटी

देवेंद्र नगर सेक्टर-4 में 26 अप्रैल की सुबह गार्डन में पानी डाल रही कारोबारी की पत्नी से लूट हो गई। एक लुटेरा आया और आंखों में मिर्ची पावडर झोंककर सोने की चेन लूटकर भाग निकला।

मोतीबाग में मोबाइल छिना

मोतीबाग के पास 5 अप्रैल की शाम सब इंजीनियर दीपेश राठौर से लूट हो गई। दो लुटेरे पीछे से आए और उनका मोबाइल लूटकर शास्त्री चौक की ओर भाग निकले। लुटेरे अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर।

कोटा रोड में भी वारदात

गुढियारी-कोटा रोड में पिछले महीने लुटेरे युवक-युवती ने महिला को लूट लिया। महिला रिश्तेदार के साथ बाइक में आ रही थी। पीछे से युवती अपने साथी के साथ आई और झपट्टा मारकर लूट ली।

लूट की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज

राजधानी में आकड़ों का खेल चल रहा है। लूट की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज किया जा रहा है। वीआईपी रोड में गुरुवार रात जहां पर गोली मारकर युवती को लूटा गया है। वहां एक दिन पहले बुधवार को कॉलेज छात्र के साथ लूट हुई। आर्यन अग्रवाल परिचित युवती के साथ रेस्तरां जा रहा था। दो युवकों ने रोके लिया और चाकू दिखाकर लूट लिया। कैश, मोबाइल और एटीएम लूटकर भाग निकले। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया। इसमें चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस अब तक लुटेरों के बारे में कोई सुराग नहीं जुटा पाई है। लूट के ऐसे दर्जन से ज्यादा घटनाएं है, जिसमें लूट का केस दर्ज किया गया है।

फुटेज के बाद भी नहीं पकड़े जा रहे आरोपी

राजधानी में लूट के अधिकांश मामले में पुलिस को पास सीसीटीवी फुटेज है। इसके बाद भी पुलिस लुटेरों को पकड़ नहीं पाई है। पुलिस फुटेज के साथ तकनीकी जांच कर रही है। आसपास के इलाके का कॉल डिटेल खंगाल चुकी है। पिछले चार महीने में जितनी घटना हुई है। उसमें से सिर्फ 40 फीसदी मामलों में पुलिस को सफलता मिली है।

बिलासपुर में ऑटो चालक ने यात्री से की लूटपाट

ऑटो में बैठाकर ले गए दूसरी जगह, साथी के साथ मिलकर लूट लिए साढ़े 9 हजार और धक्का देकर गिराया

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में ऑटो चालक व उसके दोस्त ने मिलकर यात्री से 9 हजार 700 रुपए लूट लिया और उसे धक्का देकर गिरा दिया। दरअसल, यात्री जरहाभाठा मंदिर चौक जाने के लिए ऑटो में बैठा था। लेकिन, चालक उसे अमेरी रोड तरफ ले गया। इस दौरान उससे पूछताछ करने पर ऑटो चालकों ने लूटपाट कर लिया। इस मामले की शिकायत पुलिस से की गई है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय गोवर्धन पटेल अमरकंटक का रहने वाला है। शनिवार की सुबह वह रायपुर से बिलासपुर होते हुए अमरकंटक जाने के लिए निकला था। तिफरा स्थित हाईटेक बस स्टैंड पहुंचने के बाद वह ऑटो में बैठकर महाराणा प्रताप चौक पहुंचा। दोपहर करीब 12 बजे चौक में उसे अमरकंटक जाने के लिए बस नहीं मिला, तो वह ऑटो चालक को जरहाभाठा चौक छोड़ने के लिए बोला।

दूसरे रास्ते में ले जाकर की लूटपाट

ऑटो में बैठाने के बाद चालक व उसका दोस्त उसे जरहाभाठा चौक लेकर जाने के बजाए अमेरी चौक की तरफ ले गए। ऑटो में बैठने पर गोवर्धन को इसका पता नहीं चला। लेकिन, अमेरी रोड तरफ पहुंचने पर उसने गलत रास्ते में लाने की बात कही। इतने में चालक व उसके दोस्त ने उससे 9 हजार 700 रुपए लूट लिए और ऑटो से धक्का देकर गिरा दिया।

शहर में अनजान यात्री के साथ इस तरह से की गई लूटपाट की जानकारी आसपास के लोगों को हुई, तब उन्होंने ऑटो चालकों के लूटपाट करने की जानकारी ऑटो चालक संघ के अध्यक्ष अजय पनीकर को दी। फिर युवक को ले जाकर उससे मिलवाया। ऑटो चालक संघ के पदाधिकारी युवक को लेकर सिविल लाइन थाना पहुंचे। युवक ने ऑटो का नंबर नोट कर लिया था। उसने पुलिस को बताया कि आटो क्रमांक छत्त 10 टी 4362 के चालक के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस ने ऑटो चालक की तलाश शुरू कर दी है। इधर, युवक शिकायत करने के बाद अमरकंटक चला गया है। केस दर्ज करने के लिए पुलिस ने उसे दोबारा थाने बुलाया है।

10 हजार से ज्यादा निवेश करने वाले निवेशकों को प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य

बिलासपुर (ए)। जस्टिस लोढ़ा समिति ने प्रदेशभर के कलेक्टरों को पत्र लिखकर उन निवेशकों से मूल प्रमाण पत्र जमा कराने कहा है जिन्होंने 10 हजार रुपये से ज्यादा का निवेश किया है। पीएसीएल कंपनी से धन वापसी के लिए इन दस्तावेजों को जमा करने की शर्त रख दी है। इसके लए 30 जून तक की तिथि तय की है। पीएसीएल कंपनी से धन वापसी के लिए निवेशकों को अपना मूल पंजीयन प्रमाण पत्र जमा करना होगा। पीएसीएल से संबंधित जस्टिस आरएम लोढ़ा समिति ने धन वापसी के लिए मूल प्रमाण पत्र मंगाने का निर्णय लिया है। समिति की ओर से ऐसे निवेशकों को एसएमएस जायेगा। तब उनको 30 जून 2022 तक मुंबई के पते पर प्रमाण पत्र भेजना होगा।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कार्यालय को जस्टिस लोढ़ा समिति ने पीएसीएल से धन वापसी के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किया है। इसके अनुसार पात्र निवेशकों से पीएसीएल के मूल रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र मंगाने का निर्णय लिया है। जिनके दावे की रकम 10 हजार एक रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक की है। जिनके आवेदनों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया जा चुका है। इस उद्देश्य के लिए पात्र निवेशकों को समिति की ओर से एसएमएस संदेश भेजा जाएगा जिसमें उनसे पीएसीएल के मूल रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

पीएसीएल के जिन निवेशकों को समिति की ओर से ऐसा संदेश मिले जिसमें उनसे पीएसीएल द्वारा जारी गए मूल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने को कहा जाए उन निवेशकों को अपने मूल प्रमाणपत्र उपरोक्तानुसार अंकित पते पर 30 जून को शाम पांच बजे तक अनिवार्य रूप से भेजने कहा गया है। पत्र में इस बात का भी जिक्र किया है कि निवेशकों को लिफाफे में केवल पीएसीएल के मूल प्रमाणपत्र ही भेजने के संबंध में स्पष्ट रूप से जानकारी देने की हिदायत दी गई है। इसके अलावा लिफाफे पर भेजे जाने वाले प्रमाणपत्रों की संख्या अनिवार्य रूप से लिखने की बात ही गई है। एक लिफाफे में पीएसीएल का केवल एक ही मूल प्रमाणपत्र भेजना होगा। लोढ़ा समिति ने कलेक्टर को भेजे पत्र में निवेशकों को प्रमाण पत्रों को सुरक्षित रखने समझाइश देने की बात भी कही गई है।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

महापौर ने बोर्ड के नतीजों में सफलता हासिल करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ दसवीं-बारहवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम एक साथ शनिवार को घोषित किया गया,इस बार दसवीं में दुर्ग जिले के 68.80त्न परीक्षार्थी सफल रहे,वहीं बारहवीं में 78.46त्न विद्यार्थियों ने बाजी मारी है. छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी मेरिट सूची में जिले के 3 छात्रों ने जगह बनाई है।आज नगर पालिक निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा जारी कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड के नतीजों में सफलता हासिल करने वाले सभी विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं, महापौर श्री बाकलीवाल ने कहा है कि विद्यार्थियों ने जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है, जो उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है. महापौर ने सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि वे भविष्य में इसी तरह निरन्तर आगे बढ़ते रहें और अपने परिवार, जिले एवं छ.ग. प्रदेश का नाम रोशन करें. उन्होंने ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उनके गुरुजनों और माता-पिता का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

ठक्कर परिवार के तीन सदस्यों ने एकसाथ किया देहदान

भिलाई। हुडको, एलआईजी- 209 के ठक्कर परिवार के तीन सदस्यों ने एकसाथ देहदान कर मानवता की अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की है ! भिलाई इस्पात संयंत्र के सेवानिवृत श्रमिक नेता रमणिकलाल ठक्कर,उनके बड़े भाई लवजी भाई ठक्कर और भाभी कांता बेन ठक्कर ने प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी की काउंसलिंग के माध्यम से देहदान का संकल्प पत्र जारी किया ! उनके द्वारा अपनी वसीयतों में मरणोपरांत अपना मृत शरीर मानवता की भलाई के लिए राजीव लोचन आयुर्वेदिक कॉलेज चंदखुरी को अध्ययन हेतु समर्पित करने का उल्लेख किया गया है ! प्रनाम के माध्यम से देहदान की इस नेक पहल के दौरान उपस्थित जनों में पवन केसवानी, के अलावा देहदान की वसीयत में साक्षी रिश्तेदार के रूप में हस्ताक्षर करने वाले भावेश कुमार ठक्कर, कुसुम ठक्कर एवं रितिका ठक्कर ने उल्लेखनीय सहभागिता प्रदान की।

भिलाई निगम के कर्मचारियों के लिए सुखद खबर...

आयुक्त प्रकाश सर्वे ने महंगाई भत्ता बढ़ाने के लिए जारी किए आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त प्रकाश सर्वे ने भिलाई निगम के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का तोहफा दिया है। निगम कर्मचारियों के लिए यह सुखद खबर है। राज्य शासन ने महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की है इसी के तहत निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने तत्परता दिखाते हुए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का आदेश शीघ्र जारी कर दिया है।

अब आने वाले महीने से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता निगम के कर्मचारियों को मिलेगा और उनके खाते में अतिरिक्त राशि आएगी। लेखा अधिकारी जीतेंद्र ठाकुर ने बताया कि जून महीने से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता वेतन में जुड़कर कर्मचारी/अधिकारियों को मिलेगा, इसकी तैयारी लेखा विभाग द्वारा कर ली गई है, उन्होंने बताया कि मई का वेतन जो जून में मिलेगा उसमें बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता का लाभ निगम के कर्मचारियों को मिलेगा।

इसी के साथ ही कर्मचारियों के तनख्वाह में इजाफा हो जाएगा, लेखा अधिकारी श्री ठाकुर ने बताया कि प्रथम श्रेणी के कर्मचारियों को बढे हुए महंगाई भत्ते के हिसाब से 5000 से 6000 के मध्य, द्वितीय श्रेणी के कर्मचारियों को 3500 से 4500 हजार के बीच, तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों 3000 के समीप और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को 2 से ढाई हजार के मध्य की राशि अगले वेतन में जुड़कर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने शासन द्वारा जारी निर्देश के तहत कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र महंगाई भत्ता दिलाने के निर्देश दिए थे, इसी तारतम्य में कर्मचारियों को बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता अब मिलने लगेगा, जिसकी काफी समय से कर्मचारी बाट जोह रहे थे। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने कर्मचारी हितों को ध्यान में रखते हुए शासन से आदेश जारी होते ही प्रकरण को आयुक्त के समक्ष रखते हुए शीघ्रता का परिचय दिया और आदेश जारी कराने के लिए फाइलों की प्रक्रिया पूर्ण कराई।

निगम आयुक्त के जारी आदेश के तहत सातवें वेतनमान में 5त्न की बढ़ोतरी की गई है पहले 17त्न महंगाई भत्ता कर्मचारियों को मिल रहा था लेकिन अब बढ़े हुए महंगाई भत्ते के साथ 22त्न महंगाई भत्ता कर्मचारियों को मिलेगा वहीं अगर छठवां वेतनमान की बात करें तो 10त्न की वृद्धि छठे वेतनमान के महंगाई भत्ते में की गई है पहले कर्मचारियों को 164त्न महंगाई भत्ता का लाभ मिल रहा था परंतु अब बढ़े हुए महंगाई भत्ते के साथ 174त्न महंगाई भत्ता का लाभ छठवें वेतनमान का लाभ ले रहे कर्मचारियों को मिलेगा।

भगवान को प्राप्त करने का सरल मार्ग है-भक्ति मार्ग : गोपिकेश्वरी देवी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्गा मंदिर परिसर एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा में चल रहे दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन के आठवें दिन भागवत प्रवचनकर्ता सुश्री गोपिकेश्वरी देवी ने प्रवचन श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए बताया कि आज संसार में सैकड़ों मार्ग चल रहे हैं, भगवान को प्राप्त करने के, लेकिन कौन सा मार्ग सही है? कौन से मार्ग पर चलकर जीव अपना जल्दी से जल्दी कल्याण कर सकता है और आज संसार में इतने मार्ग क्यों चल पड़े? इन सब प्रश्नों का समाधान करते हुए उन्होंने बताया कि भगवान ने तो पुराणों में केवल एक ही मार्ग बताया है उनको पाने का।

लेकिन आज जो संसार में इतने मार्ग चल पड़े तो भगवान कहते हैं भागवत में कि जैसा जिसका जीव का अंत:करण था, जैसे उसकी रुचि थी और उसने वेदों को पढ़ा तो वैसा ही मार्ग निकाल दिया। इसलिए संसार में इतने मार्ग चल पड़े अपनी-अपनी रुचि के अनुसार। उन्होंने आगे बताया कि पुराणों में स्वयं भगवान कहते हैं जितने भी मार्ग आज संसार में बड़े से बड़े चल रहे हैं या आगे भी चलेंगे वो ज्यादा से स्वर्ग या मुक्ति की प्राप्ति करवा सकते हैं, लेकिन उनमें से किसी भी मार्ग पर चलकर मुझे और मेरे प्रेम को कोई भी जीव प्राप्त नहीं कर सकता। भगवान को प्राप्त करने का तो केवल एक ही मार्ग है और वो है भक्ति मार्ग, प्रेम मार्ग। फिर प्रेम मार्ग पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि भक्ति मार्ग अत्यंत सरल मार्ग है, जो किसी नियम की अपेक्षा नहीं रखता। हर कोई भगवान की भक्ति कर सकता है, हर स्थान पर, हर समय, हर क्रिया में, हर कर्म में भगवान की भक्ति कर सकता है, कोई नियम नहीं। ये भक्ति 10 प्रकार की होती है-साधन भक्ति, भाव भक्ति, प्रेम भक्ति, स्नेह भक्ति, मान भक्ति, प्रणय भक्ति, राग भक्ति, अनुराग भक्ति, भावावेश भक्ति और महाभाव भक्ति। ये एक से एक ऊंची भक्ति की कक्षाएं हैं। अब इसके आगे इन सब भक्ति के ऊपर और साथ ही भगवान से प्यार करने के कौन-कौन से भाव हैं, ये सब आगामी प्रवचन में बताया जाएगा।

एस.आर. हॉस्पिटल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एस.आर. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर चिखली दुर्ग में 12 मई अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के अवसर पर मानव सेवा के प्रति समर्पित नर्सों का सम्मान किया गया । अस्पताल प्रबंधन द्वारा केक काटकर प्रसन्नता जाहिर की गई । नर्सिंग स्टाफ को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया एवं प्रबंधन द्वारा गिफ्ट भी प्रदान किया गया ।

एस.आर. अस्पताल के चेयरमैन संजय तिवारी ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि मानव सेवा के प्रति समर्पित नर्सिंग स्टाफ के द्वारा कोविड-19 काल में मरीजों को प्रदान की गई सेवाएँ वन्दनीय है ।

कार्यक्रम में डॉक्टर शिव पटेल प्रेमलाल चंद्राकर नर्सिंग स्टाफ हरीसाहू श्रीमती सीमा बरहरे श्रीमती ममता कुमारी किशोर कुमार प्रतिमा केरकेट्टा श्रीमती विद्या श्रीमती ज्योति लीना जे.एन. पांडे जाकिर मोहम्मद अजय अग्रवाल रसपाल भट्टी व अन्य स्टाफ मौजूद थे।

अवैध प्लाटिंग के मामले पर करें सख्त कार्रवाई, नियमित रूप से करें समीक्षा और दोषियों पर हो कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले की समीक्षा बैठक में आज प्रभारी मंत्री मोहम्मद अकबर ने विभिन्न विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की। इस मौके पर उन्होंने अवैध प्लाटिंग से संबंधित मामलों पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी ली। मंत्री ने कहा कि अवैध प्लाटिंग के जो मामले प्रकाश में आए हैं उन पर प्रकरण बनाकर सख्त कार्रवाई करें ताकि ऐसे तत्वों को हतोत्साहित किया जा सके।

कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने बताया कि अवैध प्लाटिंग को रोकने के लिए सख्त निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे खसरों को ब्लॉक किया गया है इसके साथ ही इन पर वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है। मंत्री ने कहा कि भवन निर्माण के लिए बगैर अनुज्ञा निर्माण आरंभ कराने की मॉनिटरिंग भी करते रहें। मंत्री ने प्रधानमंत्री आवासों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए तथा आवासीय सुविधा

उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से कार्रवाई करने से संबंधित निर्देश भी दिए। मंत्री ने बीज भंडारण की प्रगति को तेज करने भी निर्देश दिए। मंत्री ने शहर में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा भी की। साथ ही इस संबंध में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी एसपी डॉ अभिषेक पल्लव से ली।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिन चारागाह में नेपियर घास की जगह यशवंत प्रजाति की घास का प्रयोग किया गया है वहां पर यह प्रयोग काफी सफल रहा है। छायादार स्थानों में ऐसा प्रयोग यहां भी किया जा सकता है। साथ ही मंत्री ने आजीविकामूलक गतिविधियों की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि आजीविकामूलक गतिविधियों के संबंध में यह देखना जरूरी है कि इनमें ऐसी गतिविधियां आरंभ की जाए, जिन से तेजी से आर्थिक आय होती हो। मंत्री ने मुख्यमंत्री धन्वंतरी योजना की समीक्षा भी की। कलेक्टर ने बताया कि अब तक 1 करोड़ 20 लाख रुपये की बिक्री इन दुकानों के माध्यम से हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि इन दुकानों के माध्यम से जेनेरिक दवाओं के संबंध में लोग काफी जागरूक हुए हैं और दवाओं में लगने वाला उनका खर्च हटा है। मंत्री ने मोबाइल मेडिकल यूनिट की समीक्षा भी की। कलेक्टर ने बताया कि सभी मोबाइल मेडिकल यूनिट बहुत अच्छा काम कर रही है और इनके बेहतर काम करने की वजह से अस्पतालों की ओपीडी कम हुई है पहले टॉयलेट की दिक्कत होती थी।

84 साल पार कर चुकी बुजुर्ग महिला ने कोविड टीका लगवाकर दिया जागरूक होने का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कोरोना को मुक्त करने लोगों के मन में कितनी जागरूकता है यह कोविड सेंटर में 84 साल पार कर चुके लोगों के चलने-फिरने या किसी प्रकार की शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद अपने निज साधनों से पहुंचने से लगता है।

आज यह नजारा हुडको के सियान सदन वैक्सीन सेंटर में देखने को मिला, जो युवा सहित उन बुर्जुगों के लिए एक मिशाल है। कोरोना से राहत पाने भिलाई निगम क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में आज वैक्सीनेशन कराया जा रहा है। महापौर नीरज पाल के वैक्सीन लगाने की अपील के बाद लोग खुद होकर वैक्सीन सेंटर में पहुंच रहे हैं और कोविड के टीके लगवा रहे हैं। आज हुडको वार्ड 70 के सियान सदन मिलन चौक, वार्ड 66 में हनुमान मंदिर के पास, वार्ड 67 रेलवे स्टेशन टिकिट काउंटर सेक्टर 7, वार्ड 68 नायर समाजम स्कूल, सेक्टर 9 पीजी नर्सिंग कॉलेज सहित कई स्वास्थ्य केंद्रों में कोविड-19 के टीके लगाए गए। सियान सदन में 10 लोगों ने को-वैक्सीन, 30 लोगों ने कोविशील्ड और 20 बच्चों ने कोरबेक्स वैक्सीन लगवाई। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने भी शहर को कोरोना मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान छेड़ रखा है। उनके निर्देश पर स्वास्थ्य अमला लगातार निगम क्षेत्र के वार्डों में जाकर वैक्सीन लगा रहा है। लोग स्वेच्छा से कोविड-19 वैक्सीन सेंटर पहुंच रहे हैं। हुडको के सियान सदन में 84 वर्षीया हुडको निवासी बुजुर्ग महिला वीसी अन्नामा अपने परिजन के साथ कार में आई, जो चलने में असहाय थी, वैक्सीनेटर को जैसे ही इसकी सूचना मिली उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए महिला को कार में ही टीका लगाया। इस तरह कोविड सेंटर में पहुंचकर कई लोग प्रथम, द्वितीय व बूस्टर डोज लगवा रहे हैं।

खुर्सीपार में दया सिंह का जनता दर्शन

राऊत पारा में दया के काम से खुश होकर लोगों ने खिलाया दूध-दही

बेटियों की शादी के लिए आर्थिक मदद, तत्काल पानी की समस्या का कराया समाधान

- -जनता दर्शन में लोगों को मिल रहा समस्याओं का समाधान
- -निगम के कार्यों से त्रस्त लोग पहुंच रहे दया को समस्या बताने
- -वार्ड-44 के अलावा दूसरे वार्ड के लोग भी बता रहे दया को समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार वार्ड-44 लक्ष्मीनारायण वार्ड का राऊत पारा। पार्षद दया सिंह अपने समर्थकों के साथ यहां पहुंचते हैं। अपनी चौपाल लगाते हैं, जिसका नाम उन्होंने जनता दर्शन रखा है। आज सुबह-सुबह राऊतपारा में दया सिंह ने चौपाल लगाया। जहां लोग दया सिंह की कार्यशैली से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने दूध-दही खिलाना शुरू कर दिया। दया सिंह को कम से कम 1 लीटर का दूध पिलाया।

महिलाओं ने कहा कि, चुनाव के बाद से जो काम आपने किया है वो किसी ने नहीं किया। दया सिंह ने सबकी बातें सुनकर कहा, मैं इस दूध का कर्ज हमेशा निभाऊंगा। ये मेरा वादा है।

राऊतपारा की गोमती यादव और स्मृति यादव आधा-आधा किलो दूध लेकर पहुंच गई। उनका सम्मान रखने दया ने दूध के साथ दही भी पीया। जनता दर्शन में दया सिंह ने तत्काल कैंसर पीड़ित को आर्थिक रूप से मदद की। इसके अलावा बेटियों की शादी के लिए मोहल्ले के 7 परिजन भी पहुंचे। उन्हें दया सिंह ने आर्थिक रूप से मदद पहुंचाई और कहा कि, वो आपकी बेटी नहीं, मेरी भी बेटी है। दया सिंह को वहां मौजूद लोगों ने बताया कि सरकार द्वारा शुरू कराए गए गोबर खरीदी केंद्र बंद हो गया है। इसे दोबारा शुरू करना चाहिए। इस विषय पर दया सिंह ने कहा कि वे सभी लोगों के साथ में बैठक करेंगे। फिर आगे की रणनीति बनाएंगे। वार्ड के सुपरवाइजर से उन्होंने बात करते हुए कहा कि, वार्ड में जिनके घर भी शादी हो, वहां सफाई और टैंकर सबसे पहले पहुंचना चाहिए। दोनों टाइम पानी शुरू कराने की मांग कुछ लोगों ने की। इस पर दया ने जलकार्य विभाग के अधिकारी संजय शर्मा से बात की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950